सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

अभिषेक ने किया सूर्यकुमार ओर शुभमन का समर्थन.... -पेज: 7 | एक्ट्रेस निवेथा पेथुराज ने सगाई बाद तोड़ी शादी? तस्वीरें डिलीट -पेज: 8

वर्षः 01 | अंकः 248 | बुधवार 17 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

बीजेपी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नबीन का बड़ा फैसला, बिहार मंत्री पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली एजेंसी: भाजपा के नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नबीन ने मंगलवार (16 दिसंबर) को बिहार के मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। नबीन बिहार में पथ निर्माण और नगर विकास विभाग का कार्य संभाल रहे थे। सोमवार (15 दिसंबर) को दिल्ली पहुंचकर उन्होंने पार्टी में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया था। अमित शाह से भेंट और आशीर्वाद पदभार ग्रहण करने के बाद नितिन नबीन ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंन कहा, 'राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभालने के बाद आज मैंने केंद्रीय गृहमंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। उनका मार्गदर्शन हमेशा संगठनात्मक कार्यों को निभाने में प्रेरणा देता रहा है।'

एमजीएनआरईजीए में बदलाव को लेकर केंद्र पर बरसे राहुल गांधी, कहा- यह महात्मा गांधी के आदर्शों का अपमान

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम एमजीएन आरई जीए को बदलने के लिए लाए जा रहे विधेयक की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह महात्मा गांधी के आदर्शों का सीधा अपमान है। राहुल गांधी की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब सरकार एमजीएनआरईजीए के तहत ग्रामीण रोजगार योजना को रद्द करने की योजना बना रही है, जो ग्रामीण परिवारों को प्रति वर्ष 100 दिनों के मजदूरी रोजगार की कानूनी गारंटी प्रदान करती है। केंद्र सरकार विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी आरएएम जी) विधेयक, 2025 पेश करेगी, जिससे विपक्षी दलों में व्यापक आक्रोश फैल गया है।

पर एक लंबी पोस्ट में राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दो चीजों से "गहरी नफरत" है - महात्मा गांधी के विचार और गरीबों के अधिकार। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि एमजीएनरेगा महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के दृष्टिकोण का जीवंत उदाहरण है। यह लाखों ग्रामीण भारतीयों के लिए जीवन रेखा साबित हुई है और कोविड-19 महामारी के दौरान एक महत्वपूर्ण आर्थिक सुरक्षा कवच के रूप में सामने आई है। उन्होंने दावा किया कि एनडीए सरकार एमजीएनआरईजीए को "व्यवस्थित रूप से" कमजोर करने की कोशिश कर रही है, और कहा कि ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से प्रधानमंत्री मोदी "अशांत" हो गए हैं। उन्होंने कहा कि फिर भी, यह योजना हमेशा से प्रधानमंत्री मोदी को परेशान करती रही है। पिछले दस वर्षों से उनकी सरकार इसे कमजोर करने की सुनियोजित कोशिश करती रही है। आज वे एमजीएनआरईजीए को पूरी तरह खत्म करने पर तुले हुए हैं। उन्होंने कहा कि अब मोदी जी एमजीएनआरईजीए को केंद्रीकृत नियंत्रण का एक उपकरण बनाना चाहते हैं - बजट, योजनाएं और नियम केंद्र द्वारा तय किए जाएंगे, राज्यों को 40 प्रतिशत लागत वहन करने के लिए मजबूर किया जाएगा, और एक बार फंड खत्म हो जाने पर, या फसल कटाई के मौसम के दौरान, श्रमिकों को महीनों तक रोजगार से वंचित रखा जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष इस जनविरोधी विधेयक के खिलाफ सड़कों से लेकर संसद तक विरोध प्रदर्शन करेगा। उन्होंने कहा कि यह नया विधेयक महात्मा गांधी के आदर्शों का सीधा अपमान है। भारत के युवाओं का भविष्य बड़े पैमाने पर बेरोजगारी से तबाह करने के बाद, मोदी सरकार अब गरीब ग्रामीण परिवारों की सुरक्षित आजीविका को निशाना बना रही है। सड़क से संसद तक, हम इस जनविरोधी विधेयक का विरोध करेंगे। केंद्र सरकार एमजीएनआरईजीए को नए 'विकासित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड रोजीविका मिशन ग्रामीण' (वीबी-जी आरएएम जी) विधेयक से बदलने की योजना बना रही है। प्रस्तावित योजना में 60:40 के केंद्र-राज्य अनुदान विभाजन के साथ 125 दिनों के मजदूरी रोजगार का वादा किया गया है, और यदि विधेयक पारित हो जाता है, तो यह 2005 के महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम को निरस्त कर देगा।

विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन.

राहुल गांधी की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब सरकार एमजीएनआरईजीए के तहत ग्रामीण रोजगार योजना को रद्द करने की योजना बना रही है, जो ग्रामीण परिवारों को प्रति वर्ष 100 दिनों के मजदूरी रोजगार की कानूनी गारंटी प्रदान करती है। केंद्र सरकार विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी आरएएम जी) विधेयक, 2025 पेश करेगी,

पीएम मोदी ने मथुरा हादसे पर जताया दुख, प्रभावित परिवारों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का किया ऐलान

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण हादसे में हुई जानमाल की हानि पर गहरा शोक व्यक्त किया और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से पीड़ितों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर जारी संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में हुई जानमाल की हानि अत्यंत पीड़ादायक है। मेरी संवेदनाएं अपनों को खोने वाले परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। प्रधानमंत्री ने दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों को पीएमएनआरएफ (प्रशांत राष्ट्रीय सुरक्षा कोष) से 2 लाख रुपये प्रति

व्यक्ति की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की, जबकि घायलों को 50,000 रुपये प्रति व्यक्ति दिए जाएंगे। यह हादसा आज सुबह यमुना एक्सप्रेसवे पर बलदेव पुलिस स्टेशन के पास माइलस्टोन 127 पर हुआ। 11 वाहनों की टक्कर के बाद, 10 वाहनों में भीषण आग लग गई। कम से कम 14 दमकलकर्मियों ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। चार घंटे के बचाव अभियान के बाद आगरा-नोएडा एक्सप्रेसवे पर यातायात बहाल कर दिया गया। मथुरा के जिला मजिस्ट्रेट चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुई बहु-वाहन दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। मृतकों में एक प्रयागराज से एक गोंडा से और एक आजमगढ़ से था। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के अन्य पीड़ितों की पहचान के प्रयास जारी हैं |दुर्घटना में घायल हुए सभी 60 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। मथुरा के मुख्यमंत्री डॉ. राधा वल्लभ ने आज बताया कि शवों की पहचान डीएनए नमूनों के माध्यम से करने के लिए चिकित्सा दल तैनात किए गए हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शवों की कुल संख्या अभी तक निश्चित नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि पोस्टमार्टम चल रहा है और पूरी चिकित्सा टीम को तैनात कर दिया गया है।

मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर 7 बस समेत आपस में भिड़ी 10 गाड़िया , चार लोगों की मौत और 25 अन्य घायल

मथुरा एजेंसी: मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के सात बसों और तीन अन्य वाहनों के आपस में टकरा जाने के कारण कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार यह हादसा तड़के करीब साढ़े चार बजे यमुना एक्सप्रेसवे पर बलदेव थाना क्षेत्र में हुआ। मथुरा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने कहा, आगरा से नोएडा की ओर जा रहे वाहनों की आपस में टक्कर हो गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है और 25 लोग घायल हुए हैं। कुछ वाहनों में आग भी लग गई। उन्होंने बताया कि संभवतः कोहरा होने से कम दृश्यता के कारण यह हादसा हुआ। कुमार ने बताया कि

सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचीं और सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। उन्होंने बताया कि यात्रियों को सरकारी वाहनों से उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हादसे के कारण अस्थायी तौर पर मार्ग परिवर्तन भी किया गया है। उत्तर भारत में घना कोहरा यह घटना उत्तर भारत के कई हाईवे पर घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम होने और कई गंभीर दुर्घटनाओं के एक दिन बाद हुई है। सोमवार को रोहतक जिले के खरखरा गांव के पास हाईवे 152ऊ जिसे ट्रांस-हरियाणा एक्सप्रेसवे के नाम से भी जाना जाता है, पर एक बड़ा हादसा हुआ। घने कोहरे के कारण कम विजिबिलिटी की वजह से ट्रक, बस और कारों समेत कई गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इस हादसे में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। झज्जर में बस-ट्रक की टक्कर झज्जर में रेवाड़ी रोड पर एक और हादसे की खबर मिली। कुलाना और गुरावड़ा गांवों के बीच एक बस ट्रक से टकरा गई क्योंकि ड्राइवर को कोहरे के कारण खड़ा ट्रक दिखाई नहीं दिया। बस ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। बस में करीब 50 यात्री सवार थे और वह राजस्थान के खाटू श्याम से हरियाणा के बहादुरगढ़ जा रही थी। कई यात्रियों को मामूली चोटें आईं। घायल ड्राइवर को इलाज के लिए PGI झज्जर रेफर किया गया। पहले आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हादसा लगभग एक महीने पहले, दिल्ली से बिहार जा रही एक डबल-डेकर स्लीपर बस कानपुर के अरौली इलाके में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर पलट गई थी।

'वोट चोरी' पर कांग्रेस के आरोपों से उमर अब्दुल्ला ने खुद को किया अलग, कहा - हमारा कोई लेना-देना नहीं

नई दिल्ली एजेंसी: जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कांग्रेस पार्टी के कथित 'वोट चोरी' अभियान से इंडिया गठबंधन को अलग करते हुए कहा कि इस मुद्दे से गठबंधन का कोई लेना-देना नहीं है। श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इंडिया गठबंधन का इससे कोई संबंध नहीं है। हर राजनीतिक दल को अपना राजनीतिक एजेंडा तय करने की आजादी है। कांग्रेस ने 'वोट चोरी' को अपना मुख्य राजनीतिक मुद्दा बना लिया है... हम अपने मुद्दे खुद चुनेंगे। वहीं दूसरी ओर, भाजपा नेता शशांक मणि ने कहा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला समझते हैं कि 'वोट चोरी' अभियान किसी को निशाना बनाने के लिए नहीं बल्कि मतदाता सूची को अपडेट करने के लिए है। इस मुद्दे पर बोलते हुए मणि ने कहा कि मुझे लगता है उमर जी समझ रहे हैं कि एसआईआर का उद्देश्य किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं बल्कि

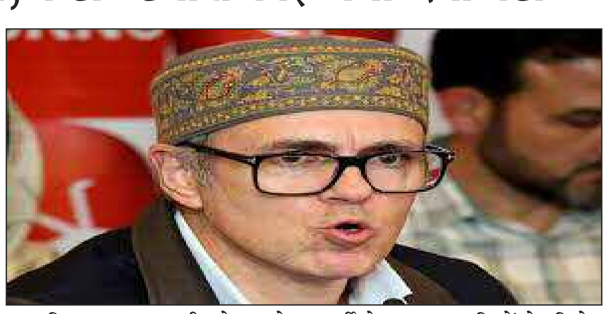

वास्तविक मतदाता सूची को सामने लाना है। उन्हें यह एहसास है कि यह केवल चुनावी सुधारों का मामला है। इस तरह लोग भारत गठबंधन से अलग होते रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि संशोधन प्रक्रिया केंद्र शासित प्रदेश में मतदाता सूचियों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को मजबूत करने की दिशा में एक कदम है। रविवार को कांग्रेस ने दिल्ली के रामलीला मैदान में 'वोट चोर गद्दी छोड़' रैली का आयोजन किया, जिससे कथित चुनावी अनियमितताओं के खिलाफ पार्टी का अभियान और तेज हो गया। पार्टी ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) को लेकर अपना अभियान और तीक्ष्ण कर दिया।

कांग्रेस नेता और विपक्ष के विपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली के रामलीला मैदान में अपने भाषण के दौरान 'मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त विधेयक, 2023' में बदलाव करने और कांग्रेस के सत्ता में वापस आने पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त सुखबीर संधू और विवेक जोशी के खिलाफ कार्रवाई करने का संकल्प लिया।

मेसी इवेंट के बवाल ने ली बंगाल के खेल मंत्री अरूप बिस्वास की कुर्सी, ममता बनर्जी को सौंपा इस्तीफा

पश्चिम बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खेल मंत्री अरूप बिस्वास ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे के पीछे की वजह हाल ही में कोलकाता में हुए लियोनेल मेसी कार्यक्रम के दौरान उत्पन्न हुई गड़बड़ियों को बताया जा रहा है। बिस्वास ने मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा कि इस आयोजन में हुई समस्याओं की जांच चल रही है और यही कारण है कि वे अपने पद से इस्तीफा देना चाहते हैं। इस इस्तीफे की खबर सामने आने के तुरंत बाद तृणमूल कांग्रेस के राज्य महासचिव कुणाल घोष ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि अरूप बिस्वास का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। हालांकि, अभी तक आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं हुई है। मेसी कार्यक्रम में हुई अव्यवस्था मंत्री के इस्तीफे के पीछे मुख्य वजह मेसी के कार्यक्रम के दौरान हुई अव्यवस्था मानी जा रही है। इस आयोजन में भारी भीड़ और अनुशासनहीनता के कारण कई फैंस का गुस्सा भड़क गया। स्टेडियम में कुछ फैंस ने स्टैंड से बोतलें और कुर्सियां फेंकनी शुरू कर दी, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आयोजनकर्ता सताद्रु दत्ता को गिरफ्तार कर लिया है। वह फिलहाल 14 दिनों की पुलिस हिरासत में है। सताद्रु पर कार्यक्रम में मिसमैनेजमेंट और गड़बड़ी के आरोप हैं। अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस पश्चिम बंगाल सरकार ने इस कार्यक्रम में अफरा-तफरी और तोड़फोड़ के मामले में कई वरिष्ठ अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इनमें डीसीपी राजीव कुमार, बिधाननगर के सीपी मुकेश कुमार, और युवा मामले व खेल विभाग के प्रधान सचिव राजेश कुमार सिन्हा शामिल हैं। इसके साथ ही डीसीपी अनीश सरकार (आईपीएस) के खिलाफ ड्यूटी और जिम्मेदारी में कथित लापरवाही के लिए विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

चुनाव हारने के बाद गलत धारणाएं फैला रही कांग्रेस, जेपी नड्डा बोले- बिहार ने एसआईआर पर लगाई मुहर

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद जेपी नड्डा ने मंगलवार को चुनावी धांधली के आरोपों को लेकर कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और कहा कि चुनाव हारने के बाद पार्टी गलतफहमियां फैला रही है। चुनावी सुधारों पर चर्चा के दौरान संसद के उच्च सदन को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि विपक्ष मतदाता सूचियों में घुसपैठियों का सवाल उठाते हुए मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन का विरोध नहीं कर रहा है। कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए जेपी नड्डा ने यह भी कहा कि चुनाव आयोग के कामकाज की निगरानी की जिम्मेदारी एक ही परिवार द्वारा नियंत्रित एक ही पार्टी पर है। नड्डा ने कहा कि चुनाव परिणाम जो आए हैं, उनसे आपको (कांग्रेस को) अवश्य ही परेशानी होगी। आप कहीं और दवा लगा रहे हैं, जबकि असली समस्या कहीं और है। आपको अपनी असली समस्या ढूंढनी होगी। सिर्फ अपने कार्यकताओं को शांत करने के लिए

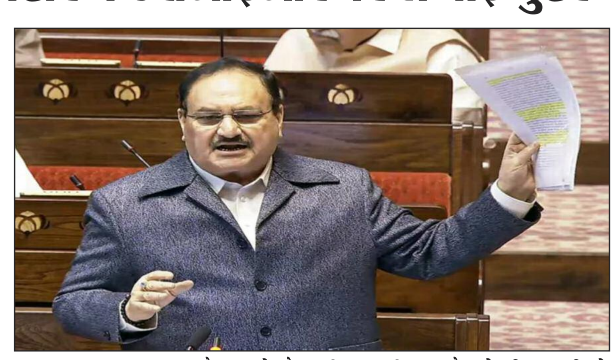

आप यह गलत धारणा फैला रहे हैं कि हम चुनाव इसलिए हार रहे हैं क्योंकि चुनाव आयोग गड़बड़ी कर रहा है। मुझे लगता है कि ऐसा करके आप अपने दल के हित के लिए देश के हित से समझौता कर रहे हैं। उन्होंने सदन को बताया कि एक बात स्पष्ट हैः विपक्ष स्वयं एसआईआर के खिलाफ नहीं है। असली सवाल यह है कि क्या घुसपैठियों को मतदाता सूची में रहने दिया जाना चाहिए। सूचियों की पूरी तरह और निष्पक्ष रूप से सफाई होनी चाहिए। चुनाव परिणामों ने विपक्ष को स्पष्ट रूप से निराश किया है। केंद्रीय मंत्री ने एसआईआर प्रक्रिया को भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बताया और कहा कि इससे पहले यह प्रक्रिया कांग्रेस सरकारों के दौरान भी की गई थी।

उन्होंने कहा कि दशकों तक, चुनाव आयोग के कामकाज और देखरेख की जिम्मेदारी एक ही पार्टी के पास रही और वह पार्टी लंबे समय तक सत्ता में रही। वह पार्टी एक ही परिवार की थी। उस समय चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर कोई सवाल नहीं उठाया गया।

जी राम जी बिल लोकसभा में पेश, विपक्ष ने गांधी जी का नाम हटाने का किया विरोध

नई दिल्ली एजेंसी: संसद के शीतकालीन सत्र में आज का दिन बेहद ही महत्वपूर्ण रहा। दोनों सदनों में कई महत्वपूर्ण कामकाज किए गए। हालांकि, लोकसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में वार-पलटवार का दौर साफ तौर पर देखने को मिला। मनरेगा की जगह लेने वाले विधेयक पर लोकसभा में प्रियंका गांधी बनाम शिवराज सिंह चौहान आमने सामने दिखे। वहीं, देश में अप्रचलित एवं पुराने हो चुके 71 कानूनों को निरस्त और संशोधित करने के प्रस्ताव वाले निरसन और संशोधन विधेयक, 2025 को लोकसभा ने मंजूरी दी। सरकार ने मंगलवार को संसद को बताया कि जलवायु परिवर्तन महिलाओं पर काम का बोझ बढ़ा रहा है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में उनपर यह जोखिम ज्यादा बढ़ रहा है। आज के कामकाज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को सदन में कुछ सदस्यों से चुटकी लेते हुए कहा कि सदन ध्यान लगाने का स्थान नहीं है और यदि वे अपने घर से ही ध्यान लगाकर आएंगे तो उचित रहेगा। उन्होंने सदन में आवश्यक कागजात सदन के पटल पर रखवाने के बाद यह टिप्पणी की। सरकार ने विपक्ष के तीखे विरोध के बीच मंगलवार को लोकसभा में विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025 पेश किया, जो महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण

रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर लाया गया है। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) (विकसित भारत- जी राम जी) विधेयक, 2025 पेश करने का प्रस्ताव रखा, जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दी। विपक्षी सदस्यों ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाया जाना उनका अपमान है। उन्होंने यह भी कहा कि विधेयक को वापस लिया जाए या फिर संसदीय समिति के पास भेजा जाए। चौहान ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा, महात्मा गांधी हमारे दिलों में बसते हैं। उनका कहना था कि मोदी सरकार महात्मा गांधी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों पर आधारित कई योजनाएं चला रही है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने विधेयक पेश किए जाने का विरोध करते हुए कहा कि इससे रोजगार का कानूनी अधिकार कमजोर हो रहा है। उन्होंने कहा कि मनरेगा में 90 प्रतिशत अनुदान केंद्र से आता था, लेकिन इस विधेयक में ज्यादातर प्रदेशों में अब 60 प्रतिशत अनुदान ही आएगा। इससे प्रदेशों की अर्थव्यवस्था पर बहुत भार पड़ेगा। ये उन प्रदेशों को और प्रभावित करेगा जिनकी अर्थव्यवस्था पहले से ही केंद्र की जीएसटी के बकाया का इंतजार कर रही है।- कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मंगलवार को लोकसभा में विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025 पेश किए जाने का विरोध किया और देव आनंद की मशहूर फिल्म हरे रामा हरे कृष्णा के एक गीत का उल्लेख करते हुए सत्तापक्ष पर कटाक्ष किया कि देखो ओ दीवानो तुम ये काम न करो, राम का नाम बदनाम ना करो। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि कई अप्रचलित एवं पुराने कानूनों के निरसन व संशोधन का प्रस्ताव करने वाला विधेयक गुलामी की मानसिकता से मुक्ति की ओर बढ़ता कदम है। मेघवाल ने निरसन और संशोधन विधेयक, 2025 को सदन में चर्चा और पारित किए जाने के लिए

मनरेगा की जगह लेने वाले विधेयक पर लोकसभा में प्रियंका गांधी बनाम शिवराज सिंह चौहान आमने सामने दिखे। वहीं, देश में अप्रचलित एवं पुराने हो चुके 71 कानूनों को निरस्त और संशोधित करने के प्रस्ताव वाले निरसन और संशोधन विधेयक, 2025 को लोकसभा ने मंजूरी दी।

संपादकीय

बेरोजगार नौजवानों को आकर्षित करने में विफल

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत अवसर एक लाख 65 हजार थे, लेकिन सवा 33 हजार नौजवान ही ज्वाइन करने को तैयार हुए। उनमें से भी लगभग 20 फीसदी ने बीच अवधि में ही इसे छोड़ दिया। यह कहना शायद जल्दबाजी हो कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना फेल हो गई है। फिर भी यह तो कहा ही जाएगा कि ज्यादातर बेरोजगार नौजवानों को आकर्षित करने में यह विफल रही है। यह बात की पुष्टि खुद संसद में पेश सरकारी आंकड़े करते हैं। कंपनी मामलों के राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने लोकसभा में बताया है कि पहले दो चरणों में सिर्फ 33,300 नौजवानों ने इंटर्नशिप स्वीकार की। उनमें से 6,618 ने बीच में ही इसे छोड़ दिया। पहले चरण में कंपनियों ने 82 हजार और दूसरे चरण में 83 हजार इंटर्नशिप के ऑफर दिए। यानी अवसर एक लाख 65 हजार थे, जबकि सवा 33 हजार नौजवान ही ज्वाइन करने को तैयार हुए। उनमें से भी लगभग 20 फीसदी ने बीच अवधि में ही इसे छोड़ दिया। छोड? वालों में बड़ी संख्या उन इंटर्न्स की रही, जिन्होंने कार्यस्थल दूर होने या परिवहन सुविधाजनक ना होने को अपने फैसले की वजह बताया। गौरतलब है कि पिछले लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र ने बड़े धूम-धड़ाके से यह योजना घोषित की थी। इसके तहत इंटर्नशिप लेने वाले नौजवानों को एक बार छह हजार रुपए के भुगतान के अलावा 12 महीनों तक पांच हजार रुपए का भत्ता देने का प्रावधान है। सरकार ने कहा था कि इस योजना के तहत पांच वर्ष में एक करोड़ नौजवानों को ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि वे रोजगार का कौशल हासिल कर सकें। मगर पहले दो वर्ष में योजना पर अमल के जो आंकड़े सरकार ने दिए हैं, जाहिर है, वे निराशाजनक हैं। कारण बुनियादी है। बेरोजगारी की समस्या ऐसी मरहम-पट्टी से दूर नहीं होने वाली है। इसके लिए आर्थिक सोच में आमूल परिवर्तन करना होगा। उत्पादन एवं वितरण से संबंधित वास्तविक अर्थव्यवस्था तथा मानव विकास में लगातार निवेश हो, इसे सुनिश्चित करना होगा। मूलभूत क्षेत्रों में निवेश की कमी भारत में बेरोजगारी का प्रमुख कारण है। पिछले लोकसभा चुनाव में अचानक यह समस्या सतह पर उभरती नजर आने लगी। तो नरेंद्र मोदी सरकार ने इस योजना के जरिए समाधान का संदेश देने की कोशिश की। लेकिन गंभीर मसलों से सचमुच आंख मिलाने की इच्छाशक्ति ना हो, तो ऐसे संदेश बेअसर ही साबित होते हैं।

चिंतन-मनन

प्रकृति की तीन शक्तियां

प्रकृति में तीन शक्तियां हैं- ब्रह्म शक्ति, विष्णु शक्ति और शिव शक्ति। प्रायः तुममें कोई भी एक शक्ति अधिक प्रबल होती है। ब्रह्म शक्ति वह ऊर्जा है जो नव-निर्माण करती है; विष्णु शक्ति ऊर्जा का पालन करती है और शिव शक्ति वह ऊर्जा है जो रूपांतरण करती है- नया जीवन देकर या संहार कर। तुममें से कुछ हैं जिनमें ब्रह्म शक्ति प्रबल है। तुम सृष्टि तो कर सकते हो, पर अपनी रचना को सुरक्षित नहीं रख पाते। हो सकता है तुम तुरंत ही नए मित्र बना लो, परंतु वह मित्रता अधिक समय तक टिकती नहीं। तुममें कुछ और लोग हैं जिनमें विष्णु शक्ति है। तुम रचना नहीं कर सकते, परंतु जो है उसे अच्छी तरह संभालकर रखते हो। तुम्हारी सभी पुरानी दोस्ती बहुत स्थायी होती है, परंतु तुम नए मित्र नहीं बना पाते। और तुममें कुछ ऐसे भी लोग हैं जिनमें शिव शक्ति प्रबल है। वे नव-जीवन लाते हैं या रूपांतरण, या जो है उसे खत्म करते हैं। गुरु शक्ति में ये तीनों शक्तियां पूर्ण रूप से प्रफुल्लित हैं। पहले यह पहचानो कि तुममें कौन-सी शक्ति प्रबल है और फिर गुरु शक्ति की आकांक्षा करो, प्रार्थना करो। संपूर्ण सृष्टि सरलता और बुद्धिमत्ता के मंगलमय लय से प्रकृति के नियमों पर चल रही है। यही मंगल ही दिव्यता है। शिव वह सामंजस्यपूर्ण सरलता है जो कोई नियंत्रण नहीं जानती। शिव का विपरीत है वशी, यानी नियंत्रण। नियंत्रण मन का होता है। नियंत्रण का अर्थ है दो, द्वैत, कमजोरी। वशी का अर्थ है स्वाभाविकता से कुछ करने के बजाए दबाव द्वारा कुछ करना।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

संवैधानिक कोर्ट के फैसलों का कड़ाई से पालन हो; नागरत्ना

सनत जैन

न्यायपालिका केवल फैसलों का मंच नहीं है और न ही न्यायपालिका कोई प्रशासनिक मंच ही है। न्यायाधीश को हर प्रकरण में गुण और दोष के आधार पर बिना किसी भेदभाव के संविधान के अनुसार फैसला देने की बाध्यता है। न्यायपालिका वह अंतिम सीढ़ी है, जो संविधान के अनुसार विधायिका और कार्यपालिका जो निर्णय करती हैं, इसकी विवेचना करते हुए संविधान के अनुसार सही हो। यह न्यायपालिका को सुनिश्चित करना होता है। भारतीय संविधान ने न्यायपालिका को सर्वोच्च स्थिति में रखा है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट संविधान के प्रावधानों का पालन मौलिक अधिकारों को ध्यान में रखते हुए नियम और कानून के अनुरूप हो। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संविधान ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को सौंपी है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को एक समान अधिकार प्राप्त हैं। इनमें अंतर केवल इतना है, कि हाईकोर्ट के न्यायाधीश अपने अधिकारिता के क्षेत्र में निर्णय कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय राष्ट्रीय स्तर पर लागू होते हैं। सुप्रीम कोर्ट को हाईकोर्ट से इतर एक विशेष अधिकार प्राप्त है। वह हाईकोर्ट के निर्णय की समीक्षा कर उनके निर्णय को बदलने का अधिकार सुप्रीम कोर्ट को होता है।

मौत की सजा वाले विशेष मामले को छोड़कर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय राष्ट्रीय स्तर पर सभी के लिए अंतिम निर्णय के रूप में बंधनकारी होता है। अनुशासन, परंपरा और संस्थागत संतुलन का यह संवैधानिक ढांचा है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस नागरत्ना द्वारा दिया गया हालिया फैसला, 2014 की संविधान पीठ के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए जो टिप्पणी की है, संवैधानिक पीठ के निर्णय को सर्वोच्चता प्रदान की है। न्याय पालिका में अधिवक्ताओं की जिम्मेदारी और जवाबदारी को स्पष्ट किया है। जो न्यायपालिका के अनुशासनात्मक ढांचे की रक्षा का सशक्त उदाहरण है। यह निर्णय सिर्फ.एक कानूनी विवाद का अंत नहीं करता, बल्कि न्यायिक वरीयता क्रम और संस्थागत मयार्दा की अनदेखी पर गहरी चिंता जताता है। संविधान पीठ के निर्णय सर्वोच्च न्यायिक विवेक द्वारा गंभीर विचार विमर्श के बाद लिए जाते हैं। इन्हें वर्षों की सुनवाई, व्यापक बहस और संवैधानिक व्याख्या के बाद दिया जाता है। ऐसे में अनुच्छेद 32 के तहत वर्षों बाद उसी निर्णय को चुनौती देना न्यायिक अनुशासन पर सीधा प्रहार है। यही कारण है, न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने इस याचिका को न केवल खारिज किया, बल्कि याचिकाकर्ता पर 1 लाख का जुमार्ना लगाकर स्पष्ट संदेश दिया है, कि न्यायिक निर्णयों के वरीयता क्रम की अवहेलना किसी भी कीमत में स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। यह नाराजगी केवल न्यायाधीशों की व्यक्तिगत असहमति नहीं, बल्कि न्यायपालिका की संस्थागत चिंता का विषय है। संविधान पीठ के ही निर्णयों को न्यायपालिका या न्यायपालिका से जुड़े अधिवक्ताओं द्वारा हल्के में लिया जाएगा, तो न्यायिक स्थिरता बनाए रखना संभव नहीं होगा। हर फैसले को बार-बार चुनौती मिलेगी। जिससे निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालतों तक भ्रम और अराजकता को फैलाने का कारण बनेगी। अदालत का यह कहना कि ऐसी याचिकाएं पूरे न्यायपालिका के सिस्टम को 'चरमराने' की ओर ले जाती हैं। मामले का संवैधानिक पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

शिक्षा का अधिकार (अनुच्छेद 21ए) और अल्पसंख्यकों के शैक्षणिक अधिकार (अनुच्छेद 30) के बीच संतुलन को बरकरार रखते हुए संविधान पीठ का निर्णय था। 2014 के फैसले में संवैधानिक पीठ ने स्पष्ट व्याख्या करते हुए अल्पसंख्यक संस्थानों को आरटीआई से छूट दी थी। उस संतुलन को वर्षों बाद तोड़ने की कोशिश न्यायिक परंपरा के विरुद्ध है। यह केवल कानून की पुनर्व्याख्या नहीं, बल्कि स्थापित संवैधानिक व्यवस्था को अस्थिर करने का सुनियोजित प्रयास माना जा सकता है। अदालत की सख़्ती ने वकीलों की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाये हैं।

न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अधिवक्ताओं से अपेक्षा है, वह वरीयताक्रम, बाध्यकारी फैसलों और न्यायिक मयार्दा का सम्मान करें। दुर्भावनापूर्ण या अविवेकपूर्ण याचिकाएं न केवल अदालत का समय नष्ट करती हैं बल्कि आम नागरिकों के न्याय पर जो भरोसा है, उसको कमजोर करती हैं। वर्तमान स्थिति में जब लोकतांत्रिक संस्थाएं लगातार कई प्रकार के दबाव का सामना कर रही हैं, सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय न्यायपालिका की आत्मरक्षा के साथ-साथ लोगों का भरोसा न्यायपालिका पर बनाए रखने जैसा है। न्यायमूर्ति नागरत्ना का साफ संदेश है, वरीयता क्रम की अनदेखी से न्यायाधीशों में नाराजगी स्वाभाविक है। ऐसी प्रवृत्तियों पर कठोरता के साथ रोक लगाना आवश्यक है। न्यायपालिका की मजबूती, अनुशासन, न्यायायिक निर्णयों की स्थिरता ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी सुरक्षा है। यह फैसला उसी मूल भावना को पुष्ट करता है।

संसद में प्रदूषण पर चर्चा का मुद्दा

राज कुमार सिन्हा

वायु प्रदूषण आज हमारे समय का सबसे मौन लेकिन सबसे घातक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन चुका है। शहर हों या गांव, हर जगह हवा में घुले अदृश्य जहरीले कण, जैसे औद्योगिक धुआं, वाहनों का उत्सर्जन, थर्मल पावर प्लांटों की राख और घरेलू ईंधन का धुआं लोगों की सांसों पर भारी पड़ रहे हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि लोग बिना शोर-शराबे के बीमार हो रहे हैं। न इसका दर्द तुरंत दिखता है, न इसकी मार तत्काल महसूस होती है, लेकिन शरीर को भीतर से खोखला करने की इसकी क्षमता बेहद तेज है। आज हवा में घुला जहर केवल पर्यावरण संकट नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य पर चल रहा एक धीमा हमला है।

वायु प्रदूषण को रोकना अब केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं रहा, यह एक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति बन चुका है। वायु प्रदूषण सिर्फ स्वास्थ्य की समस्या नहीं, यह सामाजिक असमानता का आईना भी है। सबसे गंदी हवा वही लोग सांस में लेते हैं जो इसके लिए सबसे कम जिम्मेदार हैं, गरीब परिवार, सड़क किनारे रहने वाले लोग, औद्योगिक क्षेत्रों के पास बसे समुदाय और मेहनतकश मजदूर। सांस की बीमारियां जैसे अस्थमा, सीओपीडी, खांसी, ब्रोंकाइटिस अब हर घर की सामान्य शिकायत बनती जा रही हैं। दिल और दिमाग पर इसका प्रभाव और भी घातक है। हवा में मौजूद सूक्ष्म कण रक्त में घुलकर दिल का दौरा, उच्च रक्तचाप और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ा देते हैं। वायु प्रदूषण की सबसे ज्यादा मार बच्चों पर पड़ती है। उनके विकसित होते फेफड़े प्रदूषित हवा सहन नहीं कर पाते, जिससे जीवनभर के लिए फेफड़ों की क्षमता कम हो जाती है।

बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएं भी अत्यधिक जोखिम में रहती हैं, क्योंकि उनकी कमजोर प्रतिरोधक क्षमता हवा में मौजूद सूक्ष्म विषैले कणों से प्रभावी ढंग से लड़ नहीं पाती।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के जलवायु, पर्यावरण और स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, वायु प्रदूषण से हर साल विश्व में लगभग 90 लाख मौतें होती हैं। नवंबर में प्रकाशित लैंसेट की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 मंफ भारत में 17 लाख मौतें वायु प्रदूषण के कारण हुईं। यह संख्या 2010 की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है। इनमें से 7.5 लाख मौतों के लिए जीवाश्म ईंधन जिम्मेदार है। अकेले कोयले से लगभग 4 लाख मौतें हुईं हैं। वैश्विक स्तर पर जीवाश्म ईंधन से जुड़े वायु प्रदूषण के कारण 25.2 लाख मौतें दर्ज की गईं। ये निष्कर्ष ऐसे समय में आए हैं जब दिल्ली और उत्तर भारत का बड़ा हिस्सा फिर से घने शीतकालीन धुंध की चपेट में है। दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 360 के पार पहुंच चुका है। कई इलाकों में पीएम 2.5 स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन की तय सुरक्षित सीमा से 20 गुना अधिक दर्ज किया गया है। हरियाणा में वायु प्रदूषण के कारण प्रीमेच्योर डिलीवरी के मामलों में वृद्धि देखी गई है।

पीजीआई रोहतक की गायनी विभाग की अध्यक्ष डॉ. पुष्पा दहिया के अनुसार, एक वर्ष में 13, 500 डिलीवरी हुईं है। इनमें से 18 प्रतिशत (2, 430 बच्चे) प्रीमेच्योर जन्मे हैं। इसका प्रमुख कारण प्रदूषण बताया गया है। राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य संस्थान द्वारा कोयला खदानों के पास रहने वाले 1, 202 लोगों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि 14.3 प्रतिशत श्रमिकों, 10 प्रतिशत पर्यवेक्षक कर्मचारियों और 7.8 प्रतिशत स्थानीय निवासियों के फेफड़ों का कार्य असामान्य था। एक्स-रे में फेफड़ों में फाइब्रोसिस के मामले भी सामने आए हैं। भारत में वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए कई कानून मौजूद हैं। वायु (रोकथाम और प्रदूषण का नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के तहत केंद्र और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को निगरानी और कार्रवाई की शक्तियां दी गई हैं। 2019 में शुरू किया गया राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) देश का सबसे बड़ा केंद्र-स्तरीय प्रयास है, जिसका लक्ष्य 131 शहरों में पीएम 10 स्तर को 40 प्रतिशत तक कम करना है। हालांकि, 2019-2025 के बीच जारी 11, 211 करोड़ रुपये में से केवल 68 प्रतिशत (7, 594 करोड़ रुपये) का ही उपयोग हो पाया है।

मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की 2024-25 की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के 29 जिला मुख्यालयों की हवा पिछले वर्ष की तुलना में और खराब हुई है। इसमें इंदौर जैसे 'स्वच्छ शहर' भी शामिल हैं। आदिवासी बहुल जिलों अलीराजपुर, डिंडोरी, उमरिया, बैतूल में भी एक्यूआई लगातार बढ़ रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने देश के 131 शहरों को नॉन-अटेनमेंट (वायु गुणवत्ता का अनुपालन नहीं करने वाला शहर) सिटी घोषित किया है। मध्यप्रदेश के भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, सागर और देवास इस सूची में शामिल हैं।

राज्य सरकार ने शहरों में प्रदूषण कम करने के लिए नगर वन योजना को पुनर्जीवित करने की घोषणा की है, जिसके तहत पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपये खर्च किए जाने हैं। लेकिन दूसरी ओर, भोपाल में 27, 000 पेड़ काटने का प्रस्ताव विरोध के बाद रद्द हुआ। अयोध्या बायपास विस्तार के लिए 8, 000 पेड़ों की कटाई पर विरोध। जबलपुर, सागर, रायसेन और मंडला में अवैध या नियमविरुद्ध पेड़ कटाई के मामलों पर हाईकोर्ट और एनजीटी को हस्तक्षेप करना पड़ा है। ये उदाहरण दिखाते हैं कि विकास की अंधी दौड़ में पर्यावरणीय संतुलन लगातार नजर अंदाज किया जा रहा है। उद्योग, शहरीकरण और उपभोग को अनियंत्रित रूप से बढ़ाते हुए हमने हवा, पानी और मिट्टी तीनों को प्रदूषित कर दिया है। वायु प्रदूषण अब भविष्य की नहीं, आज की आपदा है। अगर संसद, सरकार और समाज ने इसे स्वास्थ्य आपातकाल की तरह नहीं लिया, तो इसकी कीमत हमें सांसों से चुकानी पड़ेगी।

(लेखक बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ से जुड़े हैं)

राजनीती में व्यक्तिगत आरोपों से बचें मयार्दा से काम करें

आज सत्ता पक्ष और विपक्षी नेता के बीच गजब का न्यूज चल रहा किसी के ऊपर व्यक्तिगत आरोप नहीँ लगाना चाहिए राम लीला मैदान में जो घटना क्रम हुआ उससे विदेशों में भारत की छवि खराब हो रही है एक दूसरे पर वीडियो वाइरल होना ठीक नहीँ है आप सभी संयम से काम ले और भगवान राम पर विश्वास रखें हमें लगता है कि इसमें अब कुछ उद्योग पति भी मिल गए है क्योंकि इतना बड़ा आयोजन हेतु फंड कौन कर रहा है प्रधानमंत्री पर निजी टिपण्णी करना लोकतंत्र के खिलाफ है जब चुनाव होगा तो काम के दम पर ही जीत मिलेगी इसलिए मेहनत स्टेज पर और भाषण से नहीँ यदि विपक्ष में है तो जनता और देश के सम्मान में काम करना होगा जब स्व अटलजी जैसे मेहनत कर देश का नाम ऊँचा करने वाले पर भी उनके व्यक्तिगत आरोप उनके निधन पर देखता हूँ तो कहाँ कहाँ से घटिया न्यूज बनाते है समझ में नहीँ आता जिसने 1998 में देश में पोखरण परमाणु परीक्षण और 1999 में कारगिल युद्ध में देश का मस्तिष्क ऊँचा किया था आज हमें देश के विकास के लिए वैज्ञानिकों पर भरोसा करना होगा जो आज बड़ी तेजी से पलायन कर रहे है वैज्ञानिक संसाधनों का विकास ही देश कों टेक्नोलॉजी के क्षेत्र मं आगे ले जा सकता है चाहे अंतरिक्ष के क्षेत्र में हो या कृषि या रक्षा के क्षेत्र में या परमाणु के क्षेत्र में सभी में वैज्ञानिकों पर विश्वास करना आवश्यक है हो सकता है तुरंत परिणाम ना निकलें क्योंकि शोध में कई साल लगते है और इसलिए संयम और शांति की आवश्यकता है सत्ता आती है जाती है लेकिन देश में वैज्ञानिक कार्यों में विकास की आवश्यकता है जिससे देश में अपना सामान खुद बना सकते है और युवाओ के लिए एक अच्छा प्लेटफार्म होगा टेक्नोलॉजी के मामलों में टैलेंटेड होने के बाद भी उसका सही इस्तेमाल नहीँ हो रहा है जिसमे सभी पार्टियों कों साथ में मिलकर काम करना चाहिए अगर टेक्नोलॉजी होगी तभी देश आत्मनिर्भर होगा और भारत में संसाधनों की कमी नहीं है और जनसंख्या के हिसाब से देश चीन के बाद ऐशिया में दूसरे नम्बर पर है आखिर चीन से हमें क्यों आयात करना होता है जब हम खुद ही उसे बनाने में सक्षम है नई सरकार जब 2014 में बीजेपी की आई तो उस समय सरकारी तंत्र तो विपक्षी दल के पास ही था आखिर क्या कारण था कि देश में जनाधार नहीँ मिला और अब तक सत्ता में नहीँ आ रहे है काम पर फोकस ज्यादा जरुरी है 2014 में जब नई सरकार आई तो विश्व योगदिवस चालू हुआ लेकिन योग का सही अर्थ समझना जरुरी है जिसके लिए भगवान राम के बारे में ध्यान करना जरुरी है जो किसी धर्म और जाति से नहीँ जुड़े है बल्कि मानवता की रक्षा के लिए मयार्दा का पालन करना सिखाते हैं अतः आज सभी मयार्दा की सारी सीमा लांघ गए है जो देशहित में नहीँ है इसपर शांति से काम लेना होगा भगवान राम ने ना तो रावण के व्यक्तिगत जीवन पर कोई टिपण्णी की और ना ही उनके सबसे बड़े वैज्ञानिक हनुमान के विश्वास कों तोड़ा और यही उनके जीत की सबसे बड़ा कारण थी रावण प्राकृतिक के नियम कों नहीँ मानता था और मनुष्य कों मनुष्य ना समझ कर जानवर समझता था इसलिए मनुष्य के रुप में भगवान राम और बानर सेना जो जानवर की श्रेणी में आते हैं ने एक जुट होकर रावण को हराया और उसका घमंड चूर किया जबकी रावण मनुष्य से अलग शंकर भगवान की कृपा से मायावी शक्ति हासिल किया फिर भी भगवान राम ने साधारण मनुष्य के रूप में वध कर ही दिया कौन क्या किया और क्या कर रहा है उसकी नजरें सब पर टिकी हैँ और अन्त समय कहाँ बचने वाले हैँ अतः शांति से काम लें धरना प्रदर्शन से देश का माहौल खराब होता है सत्ता आती है जो जाएगी भी लेकिन आपका व्यक्तिगत सम्बन्ध ही काम आएगा अतः शांति से काम लेने की जरुरत है समय के साथ कर्म करते चले वोट चोरी कैसे हुई इसपर न्यायलय है वहाँ ही न्याय मिल सकता है देश एक कठिन दौर से गुजर रहा है हंगामा कहीं से भी हो उसका नुकसान ही होगा अतः शांति से काम लें धैर्य रखें जनता पर विश्वास कर उनके कार्य कों करेंगे तो जनाधार मिलेगा वोट चोरी होती तो बीजेपी पश्चिम बंगाल और साउथ में भी जीतती लेकिन ऐसा नहीँ हुआ नमस्कार,मेरे रोम रोम में बसने वाले राम का गाना सुना भगवान राम पर एक गाना हो जो सबको सही संदेश दे उस वक़्त मनोज कुमार ने नीलकमल फिल्म में गाना अपनी पसंद का लिखाया था गाना के गीतकार साहिर लुधियानवी ने लिखा आशा भोसले ने गया लता जी संप्रदायक के कारण नहीँ गई और वाहिदा रहमान को इसी गाने फिल्म नीलकमल में बेस्ट एक्टिव का खिताब भी मिला अब यहाँ धर्म कहाँ आ रहा है धर्म में नफरत राजनीती पक्ष ने ही पैदा की है जिसे मिटाने की आवश्यकता है योग से ध्यान का मतलब होता है जोड़ जो आत्मा को परमात्मा से मिलने को होता है जो ध्यान से होता है और ध्यान के लिए अपने को भगवान श्री राम ही सत्य है वो योग रामदेव बाबा वाला एक भ्रमजाल है क्योंकि शरीर को ध्यान से ठीक करें हर दिन भगवान राम का ध्यान करते रहें और बार बार करने से ध्यान में जो हमारे विकास हैं वो दूर होते हैं ऐ बात सत्य है कि आपका अपना कोई इस संसार में नहीं है सभी ध्यान भटकाने के लिए हैं कुछ साल बाद भगवान श्री राम की ताकत का अहसास होगा और चन्दन की खुसबू मिलेगी जो हमेशा आपके रक्षा के लिए खड़ा होगा डर खत्म कर देगा या तो इस स्थूल शरीर के लिए या सूक्ष्म शरीर के लिए इसलिए जन्मजन्मातर तक हमेशा प्रकाशित करेगा यही प्रभु राम की ताकत है भगवान राम किसी धर्म से जोड़ कर आपस में वैर करना ठीक नहीं है राम के गुणों को लीडरशिप, साइकोलॉजी और नैतिक विकास में उनके कार्य के अनुसार जो आज की चुनौतियों है उससे शांति से निपटने के लिए भगवान राम गुणों की हमेशा याद करने की जरूरत है। जैसा कि ओलिवेल (2017) ने रिलिजन इन द रामायणः कॉन्टेक्स्चुअल एप्लीकेशंस एंड सिग्निफिकेंस फॉर टुडे में लिखा है, राम का किरदार सिर्फ.एक ऐतिहासिक या पौराणिक किरदार नहीं है, बल्कि इंटीग्रेटेड एक्सीलेंस का एक बड़ा उदाहरण है जो इंसानी क्षमता और सोशल इंटरेक्शन को जानकारी देता रहता है। राम के गुणों को समझने के मुख्य सोर्स में वाल्मीकि रामायण, अध्यात्म रामायण, तुलसीदास की रामचरितमानस और कई पौराणिक रेफरेंस शामिल हैं। इनमें से हर किताब राम को अलग-अलग नजरिए से दिखाती हैः ऐतिहासिक, फिलॉसॉफिकल, भक्ति और आध्यात्मिक, जिससे एक अलग-अलग तरह की तस्वीर बनती है जिसे ध्यान से जोड़ना चाहिए। जैसा कि डॉ। रॉबर्ट गोल्डमैन द रामायण ऑफ वाल्मीकिः एन एपिक ट्रांसलेशन (1984) में बताते हैं, रामायण के अलग-अलग वर्शन के बीच दिखने वाली कमियां तब गायब हो जाती हैं जब हम उन्हें एक ही बुनियादी सच पर विरोधाभासी नजरिए के बजाय एक-दूसरे को पूरा करने वाले नजरिए के तौर पर समझते हैं। पोलक (2021) की हालिया छात्रवृत्ति, वाल्मीकि की रामायणः प्राचीन भारत का एक महाकाव्य, पाठ के ऐतिहासिक संदर्भ को समझने के महत्व पर जोर देती हैः रामायण एक ऐतिहासिक कथा (इहसास), एक नैतिक मार्गदर्शिका (धर्मशास्त्र), और एक आध्यात्मिक पाठ (मोक्षशास्त्र) के रूप में एक साथ कार्य करती है, जिसके लिए बहुआयामी व्याख्या दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। विश्लेषणात्मक समझ पर कई दृष्टिकोण राम के गुणों का गहन विश्लेषण करने के लिए, हम कई सैद्धांतिक ढांचे का उपयोग करते हैंः 1. हेमेर्नेयुटिक विश्लेषणः आवश्यक गुणों की पहचान करने के लिए प्राथमिक ग्रंथों में राम के गुणों की की बारीकी से व्याख्या करना 2. तुलनात्मक विश्लेषणः राम के गुणों की वर्तमान सैद्धांतिक रूपरेखाओं से व्यवस्थित रूप से तुलना करना 3. क्रॉस-सांस्कृतिक विश्लेषणः अन्य ज्ञान परंपराओं में समानताओं की जांच करना 4 यह तरीका ब्रायमन (2018) के कहे थ्योरेटिकल ट्रायंगुलेशन से मेल खाता हैः एक ही चीज को कई थ्योरेटिकल नजरिए से देखना ताकि उसे पूरी तरह समझा जा सके। 1. पर्सनल सचः राम के विचारों, शब्दों और कामों में एक जैसापन 2. सोशल सचः सभी रिश्तों और लेन-देन में ईमानदारी 3. कॉस्मिक सचः धार्मिक सिद्धांतों और यूनिवर्सल ऑर्डर के साथ तालमेल 4. ट्रांसेंडेंट सचः परम सत्य (ब्रह्म) से जुड़ाव डॉ. एस. राधाकृष्णन ने इंडियन फिलॉसफी वॉल्यूमक (1923) में कहा थाः राम का सच बोलना (सत्य व्रत) सिर्फ.झूठ से दूर रहना नहीं है, बल्कि सच को उसके पूरे मतलब में अपनाना है–जो अस्तित्व के सभी लेवल पर सच से मेल खाता है। कॉग्निटिव कंसिस्टेंसी की साइकोलॉजिकल थ्योरी (फेस्टिंगर, 1957) राम के किरदार में पूरी तरह से दिखाई देती है, जहाँ विश्वास, भावना और काम के बीच कोई तालमेल नहीं है। सियालडिनी (2016) का प्री-सुएशन पर हालिया काम बताता है कि यह कंसिस्टेंसी एक ट्रस्टवदीर्नेस फील्ड बनाती है जो असल में बदल देती है कि दूसरे लोग कम्युनिकेशन कैसे लेते हैं और उस पर कैसे रिस्पॉन्ड करते हैं। फ्रैंकफर्ट (2018) ने कंटेम्पररी ट्रुथ स्टडीज में, ऑन ट्रुथ, लाइज, एंड बुलशिट, असली सच और एक्चुअल सच के बीच फर्क किया है, यह फर्क राम की मल्टीडाइमेंशनल सच्चाई में पूरी तरह से साफ दिखता है। फ्रैंकफर्ट कहते हैंः एक सच्चे सच बोलने वाले को सिर्फ सटीकता से नहीं, बल्कि असलियत की ओर एक बुनियादी झुकाव से अलग किया जाता है, एक ऐसी क्वालिटी जो राम के सभी इंटरैक्शन की खासियत है। धर्मः नेकी का डायनामिक प्रिंसिपल राम के धर्म से रिश्ते को समझने के लिए, हमें सिर्फ नियम मानने से आगे बढ़कर धर्म को एक जीते-जागते, सांस लेने वाले प्रिंसिपल के तौर पर समझना होगा जो अपने जरूरी नेचर को बनाए रखते हुए कॉन्टेक्स्ट के हिसाब से ढल जाता है। धर्म को एक नदी की तरह सोचें जो अलग-अलग इलाकों से बहते हुए भी अपना असली रूप बनाए रखती है। राम दिखाते हैं कि मॉडर्न एथिक्स जीसे सिचुएशनल विजडम कहते हैं यह खास सिचुएशन में यूनिवर्सल प्रिंसिपल्स को अप्लाई कर उनके काबिलियत पर जानने की जरुरत है। भगवान राम ने जब अलग-अलग काम राजधर्म बनाम पुत्रधर्म सामने आते हैं, तो राम का पक्का इरादा दिखाता है यानी मयार्दा का पालन करना जिसे बाद में फिलॉसफर जॉन रॉल्स ने रिफ्लेक्टिव इक्विलिब्रियम कहा। जैसा कि स्वामी विवेकानंद ने राज योग (1896) में कहा थाः राम हमें दिखाते हैं कि धर्म नियमों का सख्ती से पालन करना नहीं है, बल्कि इंसानी कामों के तालमेल का जीता-जागता उदाहरण है इसलिए भगवान पर भरोसा रखें वाद विवाद से बचें व्यक्तित आरोपों से बचना चाहिए। मयार्दा में रह कर ही देश की गरिमा बचेगी और आप कों कौन क्या कहता है इसपर ध्यान देने की जरुरत नहीँ है आरोप का जबाब काम से दें ईश्वर हमेशा सही वक़्त पर सही न्याय देता है बस सब्र बनाये रखें विश्वास रखें और जब मन शांत होगा तभी अच्छा विचार आएगा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर आधारित विकास कार्यों एवं योजनाओं की बैठक हुई सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर आधारित विकास कार्यक्रमों एवं योजनाओं, जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम और जनपद में निमार्णाधीन 50 लाख से अधिक लागत की परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर फीड होने वाले समस्त आंकड़ों को समयबद्ध एवं सटीक रूप में अपडेट किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों की प्रगति में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, यह सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने मिशन 500 के अंतर्गत चल रहे तालाबों के

जीर्णोद्धार के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि चिन्हित तालाबों में जहां पर कार्य शुरू नहीं हुआ है, कार्य आरंभ करते हुए शीघ्रता से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने ग्राम पंचायतों में कैंप लगाकर फैमिली आईडी बनाने के निर्देश दिए। जनपद के सभी विद्यालयों में लम्बित छात्रवृत्ति के शत प्रतिशत आवेदनों को फॉरवर्ड करने के निर्देश जिला विद्यालय निरीक्षक को दिए। पीएम सूर्य घर योजना में विभागवार प्रगति जानते हुए खराब स्थिति पर नाराजगी जताते हुए सुधार करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभाग निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन कराएं। उन्होंने जीरो पावर्टी में चयनित परिवारों को आवास, राशन, पेंशन, आयुष्मान कार्ड और गैस कनेक्शन सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर देने के निर्देश दिए। इसके साथ परिवारों के होने वाले पुनः सत्यापन को शीघ्रता से करने के निर्देश दिए। मनरेगा के अंतर्गत महिलाओं को विशेष रोजगार का अवसर प्रदान करते हुए अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए। निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि विकास एवं निर्माण कार्यों को समय से पूरा कराया जाए। इसके साथ ही सभी कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कराए जा रहे कार्यों की परियोजनावार समीक्षा कर गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। इसी के साथ पूर्ण परियोजनाओं को सीएमआईएस पोर्टल पर भी अपलोड किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्थाएं कार्य को प्राथमिकता दें और तेजी लाकर उसे पूर्ण करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि कार्य में मानकों का पूर्ण ध्यान रखा जाए, कोई लापरवाही न हो और गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। इसके साथ उन्होंने बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग, पिछड़ा वर्ग विभाग की योजना एवं परियोजनाओं, राष्ट्रीय वृद्धावस्था योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मिशन शक्ति फेज 5, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजना एवं कृषि विभाग की योजना एवं परियोजनाओं सहित कैच द रैन अभियान की विस्तृत समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार, उप कृषि निदेशक डॉ राम प्रवेश, अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी पुनीत कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आभा दत्त, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी और कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानाध्यापक आत्महत्या मामले में अदालत का कड़ा रुख, आरोपितों की अग्रिम जमानत याचिका हाईकोर्ट ने की खारिज

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) काविंद्र सिंहः- जनपद के नगर कोतवाली में प्रधानाध्यापक संजीव कुमार की आत्महत्या के मामले में अदालत में कड़ा रुख अपनाते हुए आरोपितों की अग्रिम जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया है। प्रधानाध्यापक संजीव कुमार की आत्महत्या के मामले में यह फैसला इलाहाबाद हाईकोर्ट की तरफ से आया है। बता दे कि नगर कोतवाली में प्रधानाध्यापक संजीव कुमार की आत्महत्या के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में आरोपित शिक्षक राजेंद्र सिंह की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। इसमें पहले उनकी पत्नी सरिता की जमानत याचिका भी 27 नवंबर को अस्वीकृत हो चुकी है यह घटना 1 अक्टूबर 2024 को गजरौला नगरकोतवाली क्षेत्र के गांव सुल्तानठेर के प्राइमरी स्कूल में हुई थी । बछरायूं निवासी संजीव कुमार 2011 से इस स्कूल में सहायक अध्यापक के रूप में कार्यरत थे,

2019 में स्कूल के कंपोजिट विद्यालय बनने के बाद उन्हें प्रधानाध्यापक नियुक्त किया गया था। 1 अक्टूबर को संजीव कुमार ने स्कूल जाकर आत्महत्या कर ली थी, उन्होंने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा था जिसमें उन्होंने शिक्षक राजेंद्र ,सरिता और बीएसए पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। संजीव कुमार ने इस मामले की सीबीआई जांच की मांग की थी। पुलिस ने इस मामले में बीएसए ,राजेंद्र ,सरिता और अन्य आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की थी ,हालांकि विवेचना के दौरान बीएसए को क्लीन चिट मिल गई लेकिन राजेंद्र की जमानत याचिका खारिज होने के बाद आरोपियों ने हाईकोर्ट में मुकदमा खत्म करने की कोशिश की थी लेकिन उनकी यह याचिका भी 11 नवंबर को खारिज कर दी गई।

क्रिकेट टूनार्मेंट में सहारा क्रिकेट क्लब ने 91 रनो से जीत की हासिल

अमरोहा (सब का सपना):- मिनी स्टेडियम अमरोहा मे मास्टर भूरे खान एंड शेरू परवेज मेमोरियल सद्भावना कप ऑल इंडिया क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन और युथ क्रिकेट क्लब के तत्वाधान मे कराया जा रहा है आज इस टूनार्मेंट का तीसरा मैच TNM क्रिकेट क्लब गजिआबाद और सहारा क्रिकेट क्लब अलीगढ के बीच खेला गया, अलीगढ क्रिकेट क्लब ने टॉस जीता और पहले बेटिंग करने का फैसला किया. पहले बेटिंग करते हुए सहारा क्रिकेट क्लब 29.2 ओवर्स 198 रनो पर ऑल आउट हो गयी अलीगढ क्लब कि तरफ से माधव ने 51 और राहुल ने 40 रनो का योगदान दिया गजिआबाद क्रिकेट क्लब कि तरफ

से विश्वास ने 4 और पृथ्वी ने 3 विकेट लिए लक्ष्य का पीछा करने उतरी TNM क्रिकेट क्लब गजिआबाद मात्र 20.5 ओवर्स मे 107 रनो पर ऑल आउट हो गयी TNM की तरफ से देव तोमर ने 36 और नमन ने 18 रनो का योगदान दिया अलीगढ क्लब कि तरफ से विशाल, गौरव और भीम ने 2 दो विकेट लिया,यह मैच सहारा क्रिकेट क्लब ने 91 रनो से यह मैच जीत लिया, शानदार बेटिंग करने के लिए विशाल यादव को इमरान सनी और मोहम्मद अहतेशाम ऑफ दा मैच की ट्रॉफी देकर सम्मानित किया ,मैच मे अंपायर के फराइज को सतेंद्र सिंह और परवेज पाशा ने अंजाम दिया मैच मे स्कॉरिंग राहुल गुप्ता एबं सदाकत ने और मैच मे कमेंटरी शमशाद अल्वी ने कि इस मोके पर रिजवान पाशा, इमरान पाशा, नजम अली, परवेज पाशा, शहजाद फारूक, सिकंदर अली, नदीम बादशाह,अकरम अंसारी, मोज्जाम अली, सैंडी गुप्ता, अनिल चौहान, मोहम्मद नूर,बॉबी पाशा, नावेद आमिर, रोहित चंदेल,रजन असगर,महशर अली, मोहम्मद जाहिद, भरत, मोहम्मद जुबैर,तरीक चीना, आकिब, दीपांकूर, नफीस, अजीम अहमद, अनस खान,विजय ठाकुर, जावेद पाशा, मुजाहिद अली,डॉ वरुण,मुकररब पाशा, गुफरान, इकराम अली,अजय राव, शाहबाज, शानदार हुसैन, आरिफ, वाजिद मंसूर, रफी उल्लाह, खावर हसन, गौतम, मोहर सिंह, मौजूद रहे।

धनोरा सड़क हादसे में भाजपा सभासद गंभीर रूप से घायल,मेरठ में भर्ती

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- नगर में देर रात सड़क हादसे में एक भाजपा सभासद गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें बेहतर इलाज के लिए मेरठ भर्ती कराया गया है। बता दें कि मंडी धनौरा में देर रात सड़क पार कर रहे भाजपा के नगर पालिका धनौरा के वार्ड नंबर 12 के सभासद किशनलाल प्रजापति को एक बाइक सवार युवक ने टक्कर मार दी, इस हादसे में वार्ड सभासद किशन लाल प्रजापति गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि यह हादसा बाईपास रोड पर सब्जी मंडी के निकट हुआ ,टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वार्ड सभासद लगभग 10 मीटर दूर जाकर गिरे जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। हादसा होते ही मौके पर स्थानीय

लोगों एवं राहगीरों का जमावड़ा लग गया, जिन्होंने उन्हें तुरंत स्टेशन रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया ,हालत गंभीर होने के कारण और भी बेहतर इलाज के लिए परिजनों ने उसी रात उन्हें मेरठ में एक निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया। किशन लाल प्रजापति की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और वह मेरठ के निजी अस्पताल में आईसीयू में भर्ती बताए जा रहे हैं। इस घटना में मोटरसाइकिल सवार युवक भी घायल हो गया उसे भी पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसके सिर में गंभीर चोटें आईं हैं। बताया जा रहा है कि बाइक सवार युवक शहर के एक प्रतिष्ठित परिवार से संबंधित है। मोतीलाल प्रजापति और मनोज सैनी जैसे स्थानीय निवासियों ने सब्जी मंडी धनोरा रोड चौराहे पर ब्रेकर और सफेद पट्टी लगाने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

परिवहन विभाग का रिफ्लेक्टर टेप अभियानः सड़क सुरक्षा को मिलेगा बढ़ावा

अमरोहा (सब का सपना):- सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और विशेषकर कोहरे वाले मौसम में वाहनों की दृश्यता बढ़ाने के लिए जिले के परिवहन विभाग ने रिफ्लेक्टर टेप लगाने का विशेष जागरूकता अभियान चलाया है। ट्रांसपोर्टर एसोसिएशन के सहयोग से यह अभियान चलाया गया, जिसमें वाहन चालकों को निशुल्क रिफ्लेक्टर टेप लगवाए गए और उन्हें इसके महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया।अभियान की शुरूआत मंडल स्तरीय अधिकारी आरटीओ प्रवर्तन संदीप कुमार पंकज के नेतृत्व में हुई। सबसे पहले उन्होंने अमरोहा परिवहन कार्यालय का निरीक्षण किया। इसके बाद एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा और पीटीओ संदीप कुमार सिंह के साथ जोया टोल प्लाजा के पास हाईवे पर वाहनों की जांच की गई। यहां से गुजरने वाले वाहनों को रोका गया और चालकों को रिफ्लेक्टर टेप की उपयोगिता समझाई

गई।आरटीओ प्रवर्तन संदीप कुमार पंकज ने चालकों को संबोधित करते हुए कहा कि रिफ्लेक्टर टेप की कीमत अपनी या दूसरों की जान के सामने कुछ भी नहीं है। कोहरे में यदि वाहन पर पीछे की ओर रिफ्लेक्टर टेप नहीं लगी हो तो पीछे से आने वाला वाहन टकरा सकता है, जिससे जानमाल की बड़ी क्षति हो सकती है। ऐसे में टेप न लगवाना बड़ा पाप भी है। उन्होंने चालकों से अपील की कि सड़क सुरक्षा के लिए यह छोटा कदम जरूर उठाएं। इस अभियान के दौरान 38 वाहनों पर निशुल्क रिफ्लेक्टर टेप लगवाई गई। वहीं, टेप न लगे होने पर 7 वाहनों के चालान काटे गए। इसके अलावा सड़क सुरक्षा के अन्य नियमों जैसे हेल्मेट न पहनना, सीट बेल्ट न लगाना, ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल आदि के उल्लंघन में 20 अन्य वाहनों के चालान किए गए।परिवहन विभाग ने पहले भी शीतकाल में ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के खिलाफ रिफ्लेक्टर टेप अभियान चलाया था।

विभाग का कहना है कि कोहरे और कम दृश्यता वाले मौसम में रिफ्लेक्टर टेप वाहनों को दूर से चमकदार बनाती है, जिससे दुर्घटनाएं काफी हद तक कम हो सकती हैं। यह अभियान जिले भर में जारी रहेगा ताकि अधिक से अधिक वाहन मालिक जागरूक हों और सड़कें सुरक्षित बनें।

अमरोहा में 21,902 मतदाताओं के मिले दो-दो जगह नाम, सत्यापन के दौरान हुई छटनी

अमरोहा। ग्राम पंचायतों में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्राप्त कराई गई संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन का कार्य पूरा हो गया है। जांच में 21,902 मतदाताओं के दो-दो जगह वोट मिले हैं। इनमें से एक जगह के वोट निरस्त कर दिए गए हैं। अब पंचायतों की मतदाता सूचियों को अपडेट करने का कार्य चल रहा है। 23 दिसंबर को सूचियों के आलेख्य का प्रकाशन होगा। जिसके बाद दावे-आपत्तियां मांगी जाएगी। प्रशासन द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियों का कार्य चल रहा है। चुनाव आयोग ने गत नवंबर माह में संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराई थी। इस सूची में 576 पंचायतों में 1,58,906 मतदाता शामिल थे। सभी संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं की जांच कराने के निर्देश दिए गए थे। जिस पर प्रशासन द्वारा पंचायत वार सूची बूथ लेबल अधिकारियों को उपलब्ध कराई गई थी। इसमें

अमरोहा ब्लाक क्षेत्र की पंचायतों में 23671, गजरौला में 19708, गंगेश्वरी में 35093, धनौरा में 24433, हसनपुर में 25049, जोया में 30952 मतदाता शामिल थे। बीएलओ ने घर-घर जाकर मतदाताओं की जांच पड़ताल की। 21,902 मतदाताओं के दो-दो जगहों पर वोट पाए गए हैं। इसके बाद अब सही वोटरों की संख्या 137004 हो गई है। जांच के बाद तुरंत एक जगह के वोट निरस्त कर दिए गए हैं और रिकार्ड से भी हटा दिए गए हैं। ब्लॉक का नाम और जांच में सही मिले वोटों की संख्या

अमरोहा-21760
गजरौला-17446 गंगेश्वरी-29314 धनौरा-19914 हसनपुर-23065
जोया-25505
कुल-1,37,004

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदेय स्थलवार नामित किये गये अधिकारीगण

अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (SIR) से संबंधित कार्यक्रम की तिथियों को संशोधित कर दिया है, जिसके अन्तर्गत 26 दिसंबर 2025 तक गणना अवधि निर्धारित की गई है। गणना अवधि के अन्तर्गत गणना प्रपत्रों का बी०एल०ओ० ऐप के माध्यम से डिजीटाईजेशन का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इस प्रकार अब तक डिजीटाईज्ड गणना प्रपत्रों एवं असंग्रहीत (Uncollectable) गणना प्रपत्रों (अनुपस्थित/ शिफ्टेड/ मृत/ डुप्लीकेट) की गुणवत्ता सुनिश्चित किये जाने हेतु सभी डिजीटाईज्ड मतदाताओं एवं अनुपस्थित / शिफ्टेड/ मृत/ डुप्लीकेट की सूचियों का संबंधित मतदेय स्थलों पर भौतिक रूप से शत-प्रतिशत सत्यापन तथा

स्थलीय जांच की जानी है। उपरोक्त कार्य हेतु जनपद में अवस्थित समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में समाविष्ट सभी मतदेय स्थलों पर सभी डिजीटाईज्ड गणना प्रपत्रों एवं असंग्रहित (Uncollectable) गणना प्रपत्रों (अनुपस्थित/ शिफ्टेड/ मृत/ बुप्लीकेट) की सूचियों का बूथवार गहनता पूर्वक शत-प्रतिशत सत्यापन करने हेतु निम्न तालिकाओं के अनुसार विधानसभा क्षेत्रवार अधिकारीगणों की एतद्वारा नियुक्ति की जाती है। इस प्रकार नियुक्त अधिकारीगण निर्धारित तिथियों में सम्बन्धित मतदेय स्थल / गतदान क्षेत्र में संबंधित बूथ लेवल आफिसर, सुपरवाईजर, क्षेत्र के लेखपाल, कोटेदार, रोजगार ग्राम सेवक, आशा आंगनवाडी, बीट प्रभारी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम कुल के सदस्यों / शहरी क्षेत्र में नगर पालिका व नगर पंचायतों के सदस्यों आदि के साथ उपस्थित रहकर आयोग के दिशा-निदेर्शों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करते हुए उक्त सभी डिजीटाईज्ड मतदाताओं एवं (ASD) सूचियों का वाचन करेंग एवं संबंधित मतदेय स्थल पर भौतिक रूप से एवं वास्तविकता के आधार पर जांच करते हुए शत-प्रतिशत सत्यापन का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करेंगे। उक्त कार्य में सहयोग हेतु आवश्यकतानुसार अपने विभागीय/ कार्यालय के स्टाफ/कर्मचारियों को भी अपने साथ सम्बद्ध कर लेंगे। इसके साथ ही संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों / सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर जांचोपरान्त पायी जाने वाली त्रुटियों को शुद्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। उक्त सभी अधिकारीगण उन्हें आवंटित मतदेय स्थलों के संबंध में कार्यपूर्ण करने के उपरान्त इस आशय का प्रमाण-पत्र भी उपलब्ध करायेंगे कि उनके आवंटित सभी मतदेय स्थलों पर जांच एवं सत्यापन का उक्त कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से सम्पादित किया गया है, जिसमें अब किसी प्रकार की त्रुटि की संभावना नहीं है। सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी / सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जनपद-अमरोहा को निर्देशित किया जाता है कि वे निर्धारित कार्यक्रम/तिथियों से सभी बूथ लेवल आफिसर्स एवं सुपरवाइजर्स तथा सभी लेखपालों को अपने स्तर से सूचित करते हुए नियत तिथियों में अपने से सम्बन्धित अधिकारियों के साथ उपस्थित रहकर सत्यापन का कार्य पूर्ण करायेंगे। इसके साथ ही अपने-अपने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों पर नियुक्त पर्यवेक्षण अधिकारियों से उपर्युक्तानुसार प्राप्त होने वाली त्रुटियों के आधार पर संबंधित मतदाताओं का डाटा बी०एल०ओ० ऐप में शुद्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

सीडीओ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया किसान दिवस

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्टेज्ट सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किसानों ने एक-एक करके बिजली, पानी, सड़क, नलकूप, गन्ना भुगतान आदि सहित अन्य संबंधित शिकायतों को सीडीओ के समक्ष रखा। सीडीओ ने संबंधित अधिकारी को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। किसान दिवस में बैंक सिंचाई विद्युत विभाग जल निगम उद्यान विभाग चकबंदी इत्यादि विभागों की समस्याओं पर चर्चा की गई और अगले किसान दिवस तक सभी समस्याओं के समाधान हेतु मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा निर्देश दिए गए सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि शासन की मंशा है कि किसानों के समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाये और सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ पारदर्शिता के साथ मिलें। सीडीओ ने कहा कि किसान दिवस में जो आज शिकायत आयी है, उनको पारदर्शिता पूर्वक निस्तारण करें, और सीडीओ ने कहा कि समय रहते कार्य को पूर्ण करें और किसानो को अनावश्यक परेशान न होने पड़े।

किसान दिवस में पुलिस क्षेत्राधिकारी, उप कृषि निदेशक, जिला उद्यान अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, अधिशासी अभियंता विद्युत, सिंचाई, ट्यूबवेल, बैंक, गन्ना विभाग पीडब्ल्यूडी इत्यादि विभाग के कर्मचारी तथा जनपद के विभिन्न किसान संगठनों के पदाधिकारी एवं किसान उपस्थित रहे।

अमरोहा नगर पालिका के टाउन हॉल में विशेष कार्यशाला का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- शहर के नगर पालिका के टाउन हॉल में विशेष कार्यशाला का आयोजन नगर पालिका परिषद अमरोहा और आईटीसी 'मिशन सुनहरा कल' के तहत सामुदायिक नेतृत्व मैं विकेंद्रीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित के साथ हुआ। जिसमें मुख्य रूप से स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति का सम्मान समारोह आईटीसी मिशन सुनहरा कल (ITC Mission Sunhera Kal) और नगर पालिका परिषद अमरोहा के संयुक्त तत्वावधान में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ठोस कचरा प्रबंधन के लिए डोर टू डोर को प्रभावी बनाने , शहर को कचरा मुक्त बनाने व सामुदायिक नेतृत्व में विकेंद्रीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को समर्पित था। इस विशेष अवसर पर, वार्ड स्तर पर स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति का गठन, स्रोत पर अपशिष्ट पृथक्करण (Source Segregation) और सामुदायिक कंपोस्टिंग जैसे विषयों पर कार्यशाला में अधिकारियों, डीपीएम अमरोहा, सभासदगण और कर्मचारियों द्वारा विचार साझा किए गए। अमरोहा शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में अमूल्य योगदान देने वाली मोहल्ला समितियों को सम्मानित करने के लिए एक मोहल्ला समिति सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित नगर अध्यक्ष शशि जैन ने अमरोहा को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए समुदाय को साथ लेकर चलने की पुरजोर अपील की। उन्होंने जोर दिया कि जनभागीदारी के बिना स्वच्छता के लक्ष्य को प्राप्त करना असंभव है। इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य मोहल्ला समितियों द्वारा दिए गए सहयोग और अमरोहा को स्वच्छ व सुंदर बनाने में उनके अथक प्रयासों के लिए उन्हें सम्मानित करना। जागरूकता बढ़ाना: ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के विकेंद्रीकृत मॉडल (जैसे स्रोत पर पृथक्करण और कंपोस्टिंग) के महत्व पर जागरूकता बढ़ाना। आईटीसी की टीम ने कार्यक्रम में पधारे गणमान्य अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। स्वागतः अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश कुमार और नगर अध्यक्ष शशि जैन का शॉल और बुके भेंट कर स्वागत किया गया। सम्मानः नगर के समस्त वार्ड सभासदों को मोहल्ला समिति और स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति को सक्रिय करने के लिए तथा समस्त सफाई निरीक्षकों और सफाई नायकों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस सफल और प्रेरणादायक कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर जिलाधिकारी वित्त राजस्व रही मुख्य अतिथि शशि जैन नगर पालिका परिषद अध्यक्ष की गरिमामयी उपस्थिती रही , नगर पालिका परिषद अमरोहा अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश कुमार और कार्यशाला का नेतृत्व नदीम अख्तर डी.पी.एम. स्वच्छ भारत मिशन- नगरीय जनपद अमरोहा मोहम्मद अर्श प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर, आईटीसी मिशन सुनहरा कल आईटीसी टीम के सदस्य आईटीसी मिशन सुनहरा कल समस्त वार्ड सभासद नगर पालिका परिषद अमरोहा समस्त वार्ड सफाई निरीक्षक नगर पालिका परिषद अमरोहा 3फ फ रिड्यूस फ रियूज फ रिसाइकिल और नगर पालिका परिषद और ITC सुनहरा कल द्वारा कंपोस्टिंग ड्रम और कम्युनिटी कंपोस्टर में तैयार खाद की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिनको हमारे अधिशासी अधिकारी अध्यक्ष मैडम और सभासदो और पालिका स्टॉफ, शहर के लोगों आसपास के दुकानदारों और बच्चों, नागरिकों द्वारा अवलोकन किया गया, कार्यशाला में लेखनी और रीसाइकलिंग के क्षेत्र विभिन्न समाजसेवी संस्था और समूह भी शामिल हुई

समस्त वार्ड सफाई नायक आदि आदि सभी सम्मानित गण, विभिन्न समाचार पत्रों और चैनलों के मीडिया बंधु भी उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन हबीब जी द्वारा कार्यशाला के एजेंडे को विस्तार पूर्वक बताते हुए कुशलता पूर्वक किया, इस तरह के कार्यक्रम और कार्यशाला से नगर और जिला प्रशासन को शहरों नगरों को साफ-स्वच्छ बनाने में बहुत मदद मिलती है, जिसका परिणाम है आज अमरोहा चारों तरफ साफ स्वच्छ होता जा रहा है।

डीएम और एस पी से मिले जाबुल स्नैक सेवर और उनके भाई प्रशासन ने की सराहना

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में सांपों के रेस्क्यू और जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय जाबुल स्नेक सेवर और उनके भाई अली वारिस ने आज कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया तथा पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई से मुलाकात की। इस दौरान दोनों भाइयों ने जिलाधिकारी को एक जीवित कोबरा सांप दिखाया और सांपों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। मुलाकात के दौरान जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया ने कोबरा सांप को करीब से देखा और जाबुल तथा अली वारिस द्वारा दी गई जानकारी को ध्यान से सुना। जानकारी प्राप्त करने के बाद डीएम ने प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि यह एक बहुत अच्छा कार्य है। उन्होंने जाबुल स्नेक सेवर और उनकी टीम को निर्देश दिया कि जनपद के हर स्कूल में जाकर बच्चों को सांपों के बारे में जागरूक करें तथा सांपों से संबंधित जागरूकता अभियान चलाएं। इसके अलावा, जिलाधिकारी ने रेस्क्यू टीम को रोजगार प्रदान करने का भी आश्वासन दिया। डीएम ने कहा, "आप लोग जो कार्य कर रहे हैं, वह सराहनीय है। सांपों का रेस्क्यू करके आप न केवल जानवरों की रक्षा कर रहे हैं, बल्कि मानव जीवन को भी खतरे से बचा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने भी कोबरा सांप को देखा और जाबुल स्नेक सेवर, अली वारिस तथा उनकी पूरी रेस्क्यू टीम की जमकर तारीफ की। एसपी ने उनके साहस और समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। जाबुल और अली वारिस दोनों भाई जिलाधिकारी से मिलकर बेहद खुश नजर आए। उनका कहना था कि प्रशासन का यह सहयोग उन्हें आगे बढ़ने की नई प्रेरणा देगा। यह मुलाकात सांपों से होने वाले खतरों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और रेस्क्यू कार्यों को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

किसी भी दिशा में लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्त:- जिलाधिकारी

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा, रिक्त दुकान की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम राशन की रिक्त लंबित दुकानों को लेकर विकासखंड वार चर्चा की गयी एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समस्त खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वह ब्लॉक को लीड करें। निलंबित राशन की दुकानें तथा मॉडल शॉप पर भी चर्चा की गयी। जिन स्थानों पर मॉडल शॉप का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है उसके विषय में जानकारी प्राप्त की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए।मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि मॉडल शॉप ग्राम के निकट ही हों। अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी राशन कार्डों के विषय में भी जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।राशनकार्ड की सत्यापन रिपोर्ट पर भी चर्चा की गयी। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि जो प्रधान मॉडल शॉप एवं आंगनबाड़ी केन्द्र को बनाने में रुचि नहीं ले रहे हैं उनके खिलाफ 95 की कार्रवाई संज्ञान में लाई जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी दिशा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके उपरांत पशुपालन विभाग की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया जिसमें जिलाधिकारी ने विस्तार पूर्वक जानकारी प्राप्त की और संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देशित किया। उन्होंने ठंड के दृष्टिगत संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद की समस्त गौशालाओं में अलाव प्रत्येक दशा में जलाए जाएं और त्रिपाल का भी विशेष ध्यान रखा जाए जिससे गोवंशों को ठंड ना लगे गोवंशों को सही स्थान पर रखा जाए और उन्होंने कहा कि चारे की मैपिंग प्रत्येक दशा में की जाए किसी प्रकार की लापरवाही संज्ञान में ना आए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी शिवि गर्ग, तथा समस्त पूर्ति निरीक्षक, एवं समस्त खंड विकास अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

पंचायती राज विभाग एवं ग्राम्य विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में पंचायती राज विभाग एवं ग्राम्य विकास विभाग की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत सर्वप्रथम बहुउद्देशीय पंचायत भवन निर्माण को लेकर विकासखण्ड वार जानकारी प्राप्त की गयी।अंत्येष्टि स्थल 2025 -26 , कॉमन सर्विस सेंटर स्थापना तथा संचालन की प्रगति , पंचायतों सहायकों की उपस्थिति का विवरण, 5 वे वित्त आयोग तथा 15 वे वित्त आयोग के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यों को लेकर जानकारी प्राप्त की गयी तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आर आर सी सेन्टर की क्रियाशीलता एवं यूजर्स चार्ज को लेकर जानकारी प्राप्त की तथा जिला पंचायती राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि प्लास्टिक वेस्ट एवं अन्य कचरे का निस्तारण एक निर्धारित सेन्टर पर किया जाए, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट के निर्माण संचालन एवं प्राप्त आय की प्रगति के विवरण पर भी चर्चा की गयी। स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत व्यक्तिगत शौचालयों को लेकर एडीओ पंचायत को निर्देशित करते हुए कहा कि सत्यापन का कार्य प्रमाणिकता के आधार पर किया जाए। सामुदायिक शौचालयों पर तैनात केयर टेकर के मानदेय भुगतान को लेकर संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि मानदेय का भुगतान नहीं रुकना चाहिए। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि पंचायती राज के अन्तर्गत प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट एवं व्यय पर प्राथमिक रूप से कार्य किया जाए। ग्राम्य विकास की समीक्षा करते हुए मनरेगा के अन्तर्गत मानव दिवस को लेकर चर्चा की गयी तथा मुख्य विकास अधिकारी द्वारा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि मानव दिवस की प्रगति कम न रहे। पीडी जनरेशन के अन्तर्गत प्रत्येक गाँव में तालाब का कार्य शुरू करने को लेकर निर्देशित किया। मनरेगा के अन्तर्गत 100 दिवसीय रोजगार, ई केवाईसी, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं मुख्यमंत्री आवास योजना को लेकर भी चर्चा की गयी एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह तथा जिला विकास अधिकारी राम आशीष तथा जिला पंचायती राज अधिकारी चेतेन्द्र पाल सिंह, समस्त खण्ड विकास अधिकारी एडीओ पंचायत एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

रामप्यारी आर्य कन्या इंटर कॉलेज में मिशन शक्ति के तहत विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

चंदोसी/संभल(सब का सपना):- महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, संभल द्वारा मिशन शक्ति विशेष अभियान के अंतर्गत एक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर चंदौसी स्थित रामप्यारी आर्य कन्या इंटर कॉलेज में सोमवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डॉ. विदुषी सिंह के आदेशानुसार तथा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चंदौसी विभांशु सुधीर के निर्देशन में आयोजित किया गया। यह आयोजन उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निदेशों के अनुपालन में किया गया। शिविर में उपस्थित बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों, निशुल्क विधिक सहायता, महिला सशक्तिकरण, आर्थिक एवं सामाजिक विकास तथा बालिकाओं की सुरक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। विशेष रूप से नालसा हेल्पलाइन नंबर के बारे में जागरूक किया गया, ताकि जरूरत पड़ने पर त्वरित सहायता ली जा सके। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं में आत्मनिर्भरता, सशक्तिकरण तथा कानूनी जागरूकता को प्रोत्साहित करना था। कॉलेज की छात्राओं ने इस शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न सत्रों में सक्रिय रूप से भागीदारी की। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से लिपिक अमित कुमार सैनी, गोफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल संजीव कुमार, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल चंद्रपाल सिंह, लिपिक एलएडी सीएस धर्मेंद्र सिंह, असलम तथा पैरा लीगल वॉलंटियर्स (पीएलवी) अंशुल, रमाकांत शर्मा, मनीष कुमार के अलावा अध्यापिका कीर्ती कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

आकांक्षात्मक विकासखंडों में मिशन कर्मयोगी चौपाल वैन से जन जागरूकता अभियान तेज

असमोली/संभल (सब का सपना):- जनपद के आकांक्षात्मक विकासखंड असमोली और गन्नौर में नीति आयोग द्वारा निर्धारित संकेतकों को सौ प्रतिशत संतृप्त करने के लक्ष्य के साथ विशेष जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत मिशन कर्मयोगी चौपाल वैन प्रत्येक ग्राम पंचायत में पहुंचकर ग्रामीणों को सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान कर रही है।वैन में लगी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से वीडियो दिखाकर शासन-प्रशासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं और कार्यों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही, नीति आयोग के संकेतकों को जन सहभागिता से पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है। ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ लेने की पात्रता, आयु सीमा, आय सीमा, आवेदन प्रक्रिया आदि की पूरी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ), सहायक विकास अधिकारियों, ग्राम विकास अधिकारियों और ग्राम पंचायत सचिवों सहित ग्राम स्तर के सभी कार्मिकों के लिए वैन संचालन की विस्तृत रूपरेखा तैयार कर दी गई है। वैन के गांव पहुंचने पर ग्रामकुल सदस्य ग्रामीणों को एकत्रित करते हैं और अधिकारीगण जन कल्याणकारी योजनाओं तथा संकेतक संतृप्तिकरण का कार्य करते हैं।

किसान समस्याओं को लेकर भाकियू (BRSS) के कार्यकताओं ने की बैठक

किसानों का शोषण किसी भी कीमत पर नहीं किया जाएगा बर्दाश्त:- कुलदीप शर्मा

सम्भल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बी आर एस एस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ द्वारा युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा के नेतृत्व में ब्लॉक परिसर संभल में किसान पंचायत का आयोजन किया गया ! पंचायत की अध्यक्षता जिला सलाहकार सरदार गुरुवचन सिंह एवं संचालन प्रवेन्द्र यादव ने किया ! पंचायत में बोलते हुए जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार किसान व आवाम के हित में अच्छा कार्य कर रही है ! परंतु प्रशासनिक स्तर पर फैले भ्रष्टाचार के कारण पात्रों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिससे आवाम नाखुश है। किसानो की खतौनी में उनके हिस्सों को दर्ज करने में की गई कमियां दूर होनी चाहिए ! संगठन एक एकमुश्त योजना का स्वागत करता है लेकिन आधे से ज्यादा मीटर गलत बिल निकाल कर जनता को गुमराह करने का काम कर रहे हैं ! जिसमें अति शीघ्र सुधार आवश्यक है ! अन्य योजनाओं जैसे आवास योजना रही हो, राशन कार्ड का मामला रहा हो, वृद्धा पेंशन से लेकर विधवा पेंशन तक पलीता लगाने का काम किया जा रहा है ! प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ग्राम - चमरौआ पर दवाइयां उपलब्ध न होने के कारण आम जनमानस को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है ! वहीं जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी ने भ्रष्टाचार पर निशाना साधते हुए कहा कि केन्द्र और प्रदेश सरकार की ओर से महिलाओं के विकास और उनके उत्थान के लिए तमाम योजनाएं चलाई जा रही है, परंतु भ्रष्टाचार के कारण ये योजनाएं सीधे-सीधे पात्रों तक नहीं पहुंच पा रही है ! संगठन के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने चेतावनी देते हुए कहा कि किसानों का शोषण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ! समय रहते किसानों की समस्याओं का निस्तारण नहीं होता है तो आंदोलन और किसान महापंचायत को तेज किया जाएगा ! संगठन किसानों के हित में लड़ाई लड़ने के लिए हमेशा प्रयासरत है ! पंचायत में पहुंचे विभाग के अधिकारियों द्वारा कुछ समस्याओं का मौके पर निस्तारण कर दिया गया एवं अन्य समस्याओं के जल्द निस्तारण की बात कही ! पंचायत में आपूर्ति निरीक्षक अंकित अवस्थी, नायब तहसीलदार बबलू कुमार, एपीओ कुलदीप सिंह, कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित 7 सूत्रीय मांगपत्र नायब तहसीलदार संभल बबलू कुमार को सोपा ! युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी, जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी, जिला सलाहकार सरदार गुरु वचन सिंह, संगठन मंत्री चौ. ऋषिपाल सिंह, जिला मंत्री खेमपाल यादव, युवा मंडल उपाध्यक्ष अरुण चौधरी, इस्माइल खां जिला महामंत्री (अ. मो.), युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार, तहसील प्रभारी प्रवेन्द्र यादव, युवा तहसील महासचिव राजीव कुमार, तहसील संरक्षक सेवक सैनी, तहसील अध्यक्ष (अ. मो.) मेहंदी हसन, तहसील संगठन मंत्री जितेंद्र सैनी, युवा ब्लॉक अध्यक्ष पवांसा नितिन कुमार, कनिक चौधरी, वरिष्ठ कार्यकर्ता मो. हसन, युवा ब्लॉक उपाध्यक्ष सुफियान पाशा, युवा तहसील प्रभारी अमानत अली, ब्लाक महासचिव पवांसा श्रीपाल यादव, मनीराम खारी, अनवार अली, राजपाल कश्यप, सुखपाल गूर्जर एवं महिला मोर्चा से ब्लॉक महासचिव ननिहा देवी, ब्लॉक सचिव निशा देवी, ब्लॉक प्रभारी प्रदेव देवी, भूरी देवी, अतलेश देवी, सोनावती देवी, लक्ष्मी देवी, रामकली देवी आदि सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे

पॉक्सो एक्ट मामले में एक आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ऐंचोडा कम्बौह/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना ऐंचोडा कम्बौह पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस को एक व्यक्ति की तहरीर मिली थी कि उसकी नाबालिग पुत्री कहीं चली गई है। इस सूचना पर थाना ऐंचोडा कम्बौह में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के दौरान मामला पॉक्सो एक्ट से जुड़ा पाया गया। लगातार प्रयासों के बाद थाना ऐंचोडा कम्बौह पुलिस टीम ने मंगलवार को आरोपी सरनपाल को सैदनंगली मनोटा मार्ग पर इकौंदा तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने टीम की सराहना की है और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस की विशाल रैली, रामलीला मैदान में उमड़ा जनसैलाब:- वफाती मियां जिला उपाध्यक्ष

बदायूं (सब का सपना):- जनपद के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस की 'वोट चोर गद्दी छोड़' महारैली में जनता का समर्थन देखने को मिला। महारैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने चुनावों में हो रही धांधली को लेकर चुनाव आयोग और भाजपा की मिलीभगत को पुरजोर तरीके से उजागर किया। कड़कड़ाती ठंड और घने कोहरे के बावजूद महारैली को समर्थन देने आए जनसैलाब को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि आज वोट चोरी कर जनता के मताधिकार पर हमला हो रहा है। यदि वोट डालने का अधिकार छिन गया तो गरीब और कमजोर वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा वोट चोरी कर देश से गद्दारी कर रही है, इन्हें सत्ता से हटाना होगा। रामलीला मैदान के अंदर और बाहर मौजूद भारी भीड़ के बीच उन्होंने तीखा हमला बोलते हुए आगे कहा कि यह देश संविधान को मानने वाली कांग्रेस की विचारधारा से ही चल सकता है। मनुस्मृति को मानने वाली भाजपा-आरएसएस की विचारधारा से देश खत्म हो जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि भाजपा-आरएसएस संविधान को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं और हिंदुत्व के नाम पर गरीबों को गुलामी में रखने का प्रयास हो रहा है। वोट चोरी से आक्रोशित जनता के गगनभेदी नारों के बीच लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने अपने धाराप्रवाह संबोधन में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयान पर जमकर निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कहा था कि अंततः सत्य नहीं, बल्कि शक्ति मायने रखती है। राहुल गांधी ने कहा कि यही वह विचारधारा है जो भाजपा को चला रही है, क्योंकि उनके लिए सत्ता के अलावा कुछ भी मायने नहीं रखता। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और सभी धर्मों की मूल भावना सत्यम्-शिवम्-सुंदरम् व सत्यमेव जयते है, लेकिन आरएसएस की विचारधारा शक्ति को सत्य से ऊपर रखती है। उन्होंने कहा कि देश में सत्य और असत्य के बीच सीधी लड़ाई चल

रही है। कांग्रेस सत्य और अहिंसा के रास्ते पर चलते हुए भाजपा को सत्ता से हटाएगी। अपने आक्रामक अंदाज में राहुल गांधी ने चुनाव आयुक्तों ज्ञानेश कुमार, सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी का नाम लेकर कहा कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए चुनाव आयोग की मदद से वोट चोरी कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कानून बनाया है कि गड़बड़ी करने पर भी चुनाव आयुक्तों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो सकती। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि कांग्रेस सत्ता में आने पर यह कानून बदलेगी और चुनाव आयुक्तों पर कड़ी कार्रवाई हो सकेगी। हरियाणा विधानसभा चुनाव में बड़े पैमाने पर हुई धांधली का उल्लेख करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि एक ब्राजील मॉडल का फोटो 20 बार वोटर लिस्ट में पाया गया, एक ही पोलिंग बूथ पर एक महिला की फोटो 200 बार आई और उत्तर प्रदेश के भाजपा नेता हरियाणा में वोट डालते पाए गए। लेकिन इन गंभीर सवालों पर चुनाव आयोग ने कोई जवाब नहीं दिया। वोट चोरी के खुलासों के बाद भाजपा नेताओं की झल्लाहट की ओर इशारा करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि संसद में वोट चोरी के आरोपों का बचाव करते समय गृह मंत्री अमित शाह के हाथ कांप रहे थे। उन्होंने कहा कि अमित शाह सत्ता में रहते हुए बहादुर बनते हैं, लेकिन जैसे ही सत्ता जाएगी, उनकी बहादुरी भी निकल जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि नरेंद्र मोदी का चेहरा देखकर पता चल रहा है कि उनका आत्मविश्वास अब खत्म हो गया है, क्योंकि उनकी वोट चोरी पकड़ी गई है। राहुल गांधी ने कहा कि वोट चोरी डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान पर सीधा हमला है, क्योंकि संविधान हर नागरिक को एक वोट का समान अधिकार देता है। उन्होंने देश में फैल रही बेरोजगारी, महंगाई और नोटबंदी-गलत जीएसटी से उपजी छोटे व्यापारियों की बदहाली को वोट चोरी का परिणाम बताया। वहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि न्यायपालिका, मीडिया, संसद, चुनाव आयोग जैसी संस्थाएं लोकतंत्र की रक्षा के लिए बनाई गई थीं, लेकिन आज इन सभी संस्थाओं को कुचला जा रहा है। पिछले आम चुनाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला गया, कांग्रेस पार्टी के बैंक खाते फ्रीज किए गए और जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्ष को डराने की कोशिश हुई। एसआईआर का हवाला देते हुए कांग्रेस महासचिव ने कहा कि साजिश के तहत बिहार में 65 लाख और अब उत्तर प्रदेश में करीब तीन करोड़ वोट काटे गए हैं। उन्होंने चुनाव आयुक्तों का नाम लेते हुए कहा कि देश इन नामों को कभी नहीं भूलेगा और एक दिन इन्हें जवाब देना होगा। प्रियंका गांधी ने चुनौती दी कि भाजपा एक बार बैलेट पेपर पर निष्पक्ष चुनाव लड़ ले, तो वह कभी जीत नहीं पाएगी। प्रियंका गांधी ने मोदी सरकार को हर मोर्चे पर विफल बताया। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, गिरता रुपया, कमजोर विदेश नीति और देश की संपत्तियों को चुनिंदा उद्योगपतियों को सौंप देना इसकी मिसाल है। उन्होंने कहा कि नौजवान बेरोजगारी, महंगाई और पेपर लीक से परेशान हैं, लेकिन संसद में इन मुद्दों पर चर्चा नहीं होती। इस मौके पर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्षा सोनिया गांधी, संगठन प्रभारी महासचिव केसी वेणुगोपाल, पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता, मुख्यमंत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, विधायक दल के नेता, सांसद और अन्य नेता मौजूद थे।

मृतक बीएलओ रजनीश यादव के घर पहुंचे अजय राय परिवार को दी सांत्वना

बदायूं (सब का सपना):- जनपद के विधानसभा बिसौली के गांव मोकमपुर में बीएलओ रजिस्ट्रेशन रजनीश यादव की हृदय गति रुकने से मृत्यु हो गई थी। बीएलओ रजनीश यादव की मृत्यु होने से परिवार में शोक की लहर दौड़ गई थी। जिसके बाद मंगलवार को बीएलओ रजनीश यादव की मृत्यु की सूचना प्राप्त होने पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय उनके घर पहुंचे और शोक संवेदना व्यक्त की। वही कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार से मृतक के परिवार को एक करोड़ रुपए व परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की। वहीं बेसिक शिक्षा अधिकारी से फोन पर वार्ता कर हर संभव मदद करने को कहा। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष डाक्टर सुशीला कोरी, वफाती मियां, जिला महासचिव सलीम अंसारी, अब्दुल रहमान, जिला कोषाध्यक्ष हाजी साजिद ठेकेदार, जिला उपाध्यक्ष सुनीता सिंह, उपासना चौहान, इकरार अली, अमन खान, मोरध्वज लोधी, अवनीश यादव, हनीफ कुरैशी, युनुस अली, कृष्ण वीर मोर्या, तरुण कुमार लोधी, शशांक राठौर आदि लोग मौजूद रहे।

जलभराव हो या प्रदूषण, दिल्ली सरकार इन समस्याओं का कर रही समाधान; निरीक्षण के लिए पहुंचीं सीएम रेखा

दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज बारापुला नाले का दौरा किया और कहा कि उनकी सरकार दिल्ली में जलभराव की समस्या को हल करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो पिछली सरकारों की उपेक्षा का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी बारिश होती है, बारापुला नाले के आसपास की कॉलोनियों में गंभीर जलभराव हो जाता है, जिससे निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 'आज हम बारापुला नाले पर हैं, जहां हमारी सरकार बनने के बाद से हम कई बार आ चुके हैं, क्योंकि जब भी बारिश होती थी, इसके आस-पास की सभी कॉलोनियों में पानी भर जाता था। हमने इस नाले की गाद निकालने का काम कई बार किया है। यह नाला 2010 में बनाया गया था, लेकिन इसके निस्तारण के लिए कहीं भी कोई आउटलेट नहीं था ताकि इसे साफ किया जा सके।' सीएम ने आगे कहा कि आज सरकार इन समस्याओं का समाधान कर रही है। चाहे वह दिल्ली में जलभराव की समस्या हो या प्रदूषण की समस्या, दिल्ली के लोग पिछली सरकारों की गलतियों का नतीजा भुगत रहे हैं, जिसे हम ठीक करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। अगर पिछली सरकारों ने कुछ किया होता, तो दिल्ली को यह दिन नहीं देखना पड़ता।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैंकों की समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में बैंकों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उद्योग विभाग के अंतर्गत सीएम युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत आये आवेदन पर जानकारी प्राप्त की तथा मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि इसमें प्रगति धीमी है, योजना बनाते हुए कार्य करना सुनिश्चित करें। खादी ग्राम उद्योग अधिकारी द्वारा लंबित आवेदनों के विषय में जानकारी दी मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित बैंकों को निर्देशित करते हुए कहा

कि आवेदक का निस्तारण करें या यह लंबित होने का कारण बताएं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत बैंक में सीसीएल की लंबित पत्रावली की बैंक वार जानकारी प्राप्त की तथा मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त बैंकों के जिला समन्वयकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि शासन की योजनाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, शासन की योजनाओं को प्राथमिकता पर रखना सुनिश्चित करें। उद्यान विभाग की योजना पीएमएफएमई को लेकर भी बैंक वार जानकारी प्राप्त की गयी। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर निर्देशित करते हुए कहा कि इसके अंतर्गत अधिक से अधिक ऋण करें यह शासन की प्रमुख फ्लैगशिप योजनाओं में से एक है। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा माटी कला योजना के अन्तर्गत आवेदन, लंबित आवेदनों आदि के विषय में बैंक वार जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग शैलेंद्र सिंह, एलडीएम ललित कुमार राय एवं बैंकों के जिला समन्वयक एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

50 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में 7 राज्यों में ताबड़तोड़ छापामारी, मास्टरमाइंड समेत 10 शातिर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। दिल्ली पुलिस ने 50 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में अलग-अलग राज्यों में छापामारी करते हुए मास्टरमाइंड समेत 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस नेसात राज्यों दिल्ली, मुंबई , केरल, ओडिशा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में छापामारी करते हुए इन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों से 61 एनसीआरपी (राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंगपोर्टल) शिकायतों से जुड़े 50करोड़ से अधिक के फ्रॉड का पता चला है। मुख्य आरोपियों को केरल, दिल्ली और मुंबई से गिरफ्तार किया गया है।

डीएम व एसपी ने अवैध कब्जे की शिकायत पर किया स्थलीय निरीक्षण

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों की भी समीक्षा

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई द्वारा जनसुनवाई में आयीं शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए विकासखण्ड बहजोई के ग्राम भवन में शिकायत कर्ता द्वारा शिकायत कि गई कि उनकी भूमि पर अवैध कब्जा तथा ग्राम सभा की भूमि पर दुकानों आदि का अवैध निर्माण को लेकर स्थलीय निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके बाद जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया द्वारा विकासखण्ड सम्भल के ग्राम सलारपुर कलां के उच्च प्राथमिक विद्यालय में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यों के संबंध में निरीक्षण किया तथा एएसडी की सूची के विषय में जानकारी प्राप्त कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। लॉजिकल एरर्स को लेकर भी जानकारी प्राप्त कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा मतदाताओं की गलत मैपिंग के संबंध में मतदाताओं के घर जाकर सत्यापन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि एसआईआर के अन्तर्गत मैपिंग का कार्य अच्छे से किया जाए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सम्भल रामानुज तथा डिप्टी कलक्टर निधि पटेल तथा तहसीलदार ,खण्ड विकास अधिकारी सम्भल प्रेमपाल सिंह सहित संबंधित बीएलओ, राशन डीलर एवं ग्राम प्रधान आदि उपस्थिति रहे।

जामिया परिसर में 2019 की पुलिस कार्रवाई के विरोध में छात्रों ने निकाला मार्च, जबरदस्ती बल प्रयोग का लगाया आरोप

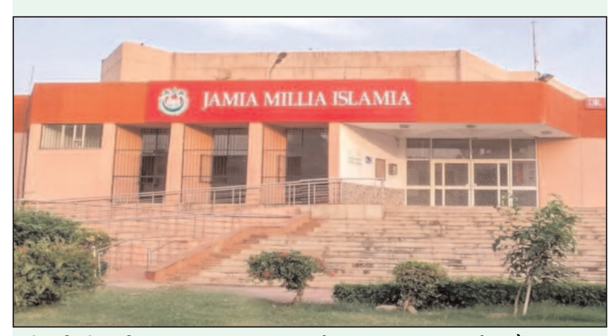

दक्षिणी दिल्ली। एसएफआइ जामिया ने अन्य छात्र संगठनों और जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्रों के साथ मिलकर सेंट्रल कैंटीन में जामिया स्मरण दिवस मनाते हुए विरोध सभा का आयोजन किया। इस दौरान छात्रों ने साल 2019 में जामिया के परिसर में हुई दिल्ली पुलिस की कार्रवाई का विरोध जताया। इसके बाद सेंट्रल कैंटीन से जामिया लाइब्रेरी तक एक मार्च भी निकाला गया। छात्रों ने कहा कि सालों पहले सीएए और एनआरसी के खिलाफ शांतिपूर्ण मार्च कर रहे लोगों पर पुलिस ने बल प्रयोग किया था,, जिसमें कई छात्र घायल हुए थे। इसे लेकर अभी तक केंद्र सरकार या दिल्ली पुलिस की ओर से कोई जवाबदेही तय नहीं की गई है। ऐसे में इस दिन को जामिया स्मरण दिवस के रूप में मनाते हैं।

विश्वास पार्क की सड़कें जर्जर हालत में, सीवर ओवरफ्लो से लोगों का जीना हुआ मुश्किल

पश्चिमी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के पालम विधानसभा क्षेत्र के तहत आने वाले विश्वास पार्क, तार फैक्ट्री, और शिव मंदिर मार्ग के हजारों निवासियों का जीवन पिछले कई वर्षों से उपेक्षित और जर्जर सड़कों के कारण मुहाल हो चुका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह क्षेत्र अब अपनी टूटी-फूटी सड़कों के लिए एक स्थायी पहचान बन गया है, जो मात्र कुछ सौ मीटर की दूरी पर स्थित पड़ोसी विधानसभा क्षेत्र की बेहतर सड़कों के बिलकुल विपरीत है। जगह-जगह सीवर की लाइन टूटी पड़ी है। मरम्मत के लिए लाइनों को खोद तो दिया गया पर उसे फिर से ठीक नहीं किया गया। मरम्मत के नाम पर उसके उसके आसपास के लाइन को भी बंद कर दिया गया है, जिससे आए दिन आस पास का सीवर ओवर फ्लो हो जाता है। इस इलाके में रहने वाले नागरिक विशेष रूप से बरसात के मौसम में ही नहीं सीवर ओवर फ्लो या किसी पाइप लाइन के लिकेज के बाद तो नारकीय जीवन जीने को मजबूर हो जाते हैं। सड़कों पर भरे पानी और कीचड़ के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो जाता है और वे एक तरह से अपने ही घरों में कैद हो कर रह जाते हैं। इस इलाके में अलग अलग ब्लॉक में कई गलियां हैं और सभी की यही स्थिति है। निवासियों ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा है कि उनकी मूलभूत समस्या टूटी हुई सड़कों का समाधान सरकार बदलने या नए विधायक आने के बावजूद नहीं हो पाया है। उनका आरोप है कि उन्होंने इस गंभीर समस्या के संबंध में स्थानीय निकायों के अधिकारियों से लेकर पालम विधानसभा के जन प्रतिनिधियों तक कई बार गुहार लगाई है, लेकिन हर बार उन्हें केवल आश्वासन ही मिला है और कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। जन प्रतिनिधियों और स्थानीय प्रशासन की इस लगातार उपेक्षा से लोगों में भारी आक्रोश है। उनका सवाल है कि जब पास के क्षेत्र में सड़कें बेहतर हो सकती हैं, तो विश्वास पार्क के निवासियों को इस प्रकार की जर्जर बुनियादी सुविधाओं के साथ क्यों जीना पड़ रहा है? क्षेत्रीय निवासियों ने अब प्रशासन व जन प्रतिनिधि से तत्काल हस्तक्षेप और इस मूलभूत समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है, ताकि बरसात में उनका जीवन फिर से सामान्य हो सके। पिछले कई सालों से इस इलाके का सीवर सिस्टम कोलैप्स है। ढाई साल पहले जिस ठेकेदार को टेंडर दिया गया था वह कम बीच में छोड़कर भाग गया। इसके लिए फिर दे टेंडर किया गया है, ढाई से तीन माह में सीवर सिस्टम को दुरुस्त करने के साथ ही सड़को की भी मरम्मत शुरू कर दी जाएगी। - कुलदीप सोलंकी, विधायक पालम सरकार बदल गई पर यहां की स्थिति नहीं बदली, जर्जर सड़क पर चलना दूभर हो चुका है। कई बार लोगों ने प्रदर्शन भी क्या पर कोई सुनने वाला नहीं। - शैलेश, स्थानीय निवासी अभी तो स्थिति सही है, बरसात में तो नरकीय हो जाता है। लोग घरों में कैद हो जाते हैं। आए दिन इन सड़कों पर हादसे हो रहे हैं, जिसमें लोगों को चोटें आ रही है। - संजय, स्थानीय निवासी

गणतंत्र दिवस परेड में इस बार भी कर्तव्य पथ पर नहीं दिखेगी दिल्ली की झांकी, सरकार ने नहीं भेजा कोई प्रस्ताव

नई दिल्ली। 77वें गणतंत्र दिवस की परेड में कर्तव्य पथ पर इस बार राजधानी की झांकी नहीं होगी। दिल्ली सरकार की ओर से झांकी का कोई प्रस्ताव भी रक्षा मंत्रालय को नहीं भेजा गया था। हालांकि पांच वर्ष बाद 76वें (2025 के) गणतंत्र दिवस की परेड में शिक्षा माडल पर दिल्ली की झांकी शामिल रही थी। इससे पहले 2020 से 2024 तक लगातार ऐसा हुआ कि इस परेड में देश की राजधानी की झांकी को स्थान नहीं मिल पाया था। दिल्ली के पड़ोसी राज्य हरियाणा की झांकी भी इस बार परेड में नहीं दिखाई देगी। राज्य सरकार की ओर से रक्षा मंत्रालय को पांच अलग अलग प्रस्ताव भेजे गए थे। इनमें से शुरूआती दौर में हिसार जिले में स्थित पुरातात्विक स्थल राखीगढ़ी के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया। लेकिन फिर अगली बैठकों में उसे भी अस्वीकार कर दिया गया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार झांकियों के चयन के लिए गठित की गई विशेषज्ञ समिति ने तीन दौर की बैठकों के बाद 17 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियों को गणतंत्र दिवस परेड के लिए स्वीकृति दी है। यह सूची लगभग फाइनल बताई जा रही है और इसमें बदलाव की गुंजाइश अब काफी कम है। इनमें हर राज्य की झांकी अपने यहां की संस्कृति, विरासत एवं जीवनशैली की छठा बिखेरती हुई दिखाई देगी। मसलन, उत्तर प्रदेश की झांकी में बुंदेलखंड का कालिंजर किला प्रदर्शित किया जाएगा। यह बांदा जिले में विंध्य पर्वतमाला पर स्थित एक प्राचीन एवं अजेय दुर्ग है, जिसे चंदेल शासकों ने बनवाया था। यह बुंदेलखंड के इतिहास एवं संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

जम्मू-कश्मीर के डिप्टी सीएम के खिलाफ आपत्तिजनक कंटेंट हटाने का आदेश, दिल्ली HC ने कही ये बात

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी के विरुद्ध सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई आपत्तिजनक सामग्री को हटाने का आदेश दिया है। अदालत ने स्थायी और अनिवार्य रोक लगाने की मांग वाली चौधरी की याचिका पर पर कहा कि प्रथम दृष्टया मामला याची के पक्ष में बनता है। चौधरी की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता ने कहा कि वायरल वीडियो में एक महिला के साथ उनका चेहरा हर जगह चिपका दिया गया है। आरोप है कि फेसबुक और यूट्यूब सहित कई सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर उनके खिलाफ आपत्तिजनक सामग्री वायरल की जा रही है। 2024 के विधानसभा चुनाव में, उन्होंने तत्कालीन जम्मू-कश्मीर के बीजेपी अध्यक्ष को हराकर नौशेरा विधानसभा सीट जीती और 16 अक्टूबर, 2024 को उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश के उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने कोर्ट में यह कहते हुए याचिका दायर की थी कि अक्टूबर में सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया, जिसमें एक ऐसी महिला के साथ ऑडियो रिकॉर्डिंग थी जो उनकी पत्नी नहीं थी। उस पर उनकी फोटो वाला एक थंबनेल लगा हुआ था, जिससे लग रहा था कि यह उनकी आवाज है। चौधरी ने ऑडियो की बातों से इनकार किया और कहा कि यह उनकी आवाज नहीं है और इन वीडियो को जानबूझकर उनका करियर खराब करने के लिए फैलाया गया है।

जाफराबाद में डबल मर्डर, देर रात हुई ताबड़तोड़ फायरिंग; दो सगे भाइयों की गोली मारकर हत्या

दिल्ली : दिल्ली के जाफराबाद थाना क्षेत्र में देर रात हुई एक सनसनीखेज वारदात में दो सगे भाइयों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस दोहरे हत्याकांड से पूरे इलाके में भय और दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस के अनुसार, देर रात करीब 1:40 बजे थाना जाफराबाद क्षेत्र में गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना हुई। मौके पर पहुंचने पर पुलिस ने पाया कि एक व्यक्ति की गोली लगने से मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान फजील (31 वर्ष) पुत्र अब्दुल, निवासी गली नंबर 30/8, जाफराबाद के रूप में हुई। इस घटना में फजील का भाई नदीम (33 वर्ष) भी गंभीर रूप से घायल हो गया था। परिजनों द्वारा उसे तुरंत जेपीसी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना जाफराबाद में भारतीय दंड संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1)/3(5) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25/27 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। घटना के बाद, फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं, जो मामले की जांच में सहायक होंगे। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है और इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिया गया है।

फ्लैगशिप पुरस्कार के लिए हर सदस्य को मिलेंगे 51 हजार, कल आवेदन की अंतिम तिथि

चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार ने प्रशासनिक कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कर्मचारियों और टीमों को प्रोत्साहित करने के लिए हरियाणा सुशासन पुरस्कार योजना के तहत आवेदन आमंत्रित किए हैं। इन पुरस्कारों के लिए आवेदन करने और नामांकन भेजने की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 17 दिसंबर 2025 कर दी गई है। निर्धारित तिथि के बाद ऑनलाइन पोर्टल बंद कर दिया जाएगा और कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सभी प्रशासकीय सचिवों को निर्देश दिए हैं कि वे राज्यस्तरीय पुरस्कारों, जिनमें राज्य फ्लैगशिप पुरस्कार और राज्य पुरस्कार शामिल हैं, के लिए योग्य नामों की अनुशंसा अपनी टिप्पणियों के साथ पोर्टल पर अपलोड करें। राज्य फ्लैगशिप पुरस्कारों के अंतर्गत अधिकतम 5 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रत्येक पुरस्कार में एक ट्रॉफी, मुख्य सचिव द्वारा हस्ताक्षरित प्रशस्ति पत्र और प्रति सदस्य 51 हजार रुपये की नकद राशि दी जाएगी। यदि पुरस्कार किसी समूह को दिया जाता है तो समूह में अधिकतम चार सदस्य हो सकते हैं और सभी को समान राशि मिलेगी, पद या स्तर की परवाह किए बिना। इसके अलावा राज्य स्तर पर भी अधिकतम पांच राज्य पुरस्कार दिए जाएंगे। इनमें भी ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र और प्रति सदस्य 51 हजार रुपये की नकद राशि शामिल होगी। जिलास्तर पर सुशासन पुरस्कार उपायुक्तों द्वारा जिला मुख्यालयों पर प्रदान किए जाएंगे।

प्रत्येक जिले में अधिकतम पांच पुरस्कार दिए जा सकेंगे, जिनमें प्रति सदस्य 31 हजार रुपये की नकद राशि दी जाएगी।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि सशक्त समिति अपने विवेक से किसी योजना को स्वतः चयन के लिए चिन्हित कर सकती है। किसी योजना को एक बार पुरस्कार मिलने के बाद वह दोबारा विचार के लिए पात्र नहीं होगी। पुरस्कारों के लिए प्रदर्शन की प्रासंगिक अवधि 1 जनवरी 2024 से 30 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है। आवेदन केवल haryanagoodgovernanceawards.haryana.gov.in पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन किए जा सकेंगे।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल की पुश्तैनी जमीन पर बनेगी लाइब्रेरी, गांव की सबसे बुजुर्ग महिला ने किया शिलान्यास

रोहतक जिले में पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की पुश्तैनी जमीन पर लाइब्रेरी निर्माण की शुरूआत हो गई है।

रोहतक : रोहतक जिले के गांव बनियानी में पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की पुश्तैनी जमीन पर लाइब्रेरी निर्माण की शुरूआत हो गई है। यह जमीन खट्टर द्वारा पंचायत को दान की गई थी। लाइब्रेरी का शिलान्यास गांव की 92 वर्षीय सबसे बुजुर्ग महिला मूर्ति देवी ने किया। लाइब्रेरी का नाम मनोहर लाल खट्टर की माता शांति देवी के नाम पर रखा जाएगा। मनोहर लाल खट्टर के छोटे भाई चरणजीत खट्टर ने बताया कि 29 जनवरी 2024 को मनोहर लाल ने करीब 200 गज की पुश्तैनी जमीन पंचायत को जनकल्याण के उद्देश्य से सौंप दी थी। इसी जमीन पर अब पंचायत की ओर से लाइब्रेरी बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि मूर्ति देवी का शिलान्यास करना भावनात्मक रूप से खास रहा, क्योंकि वे वर्षों तक उनकी माता शांति देवी के साथ काम कर चुकी हैं।चरणजीत खट्टर ने बताया कि लाइब्रेरी परिसर में आधुनिक सुविधाओं से युक्त ई-लाइब्रेरी भी स्थापित की जाएगी, जिससे गांव के बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों को पढ़ाई और ज्ञान अर्जन का बेहतर अवसर मिलेगा। यह केंद्र भविष्य में शिक्षा और सामाजिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। बता दें कि 2024 में गांव बनियानी पहुंचने पर मनोहर लाल खट्टर भावुक हो गए। उन्होनें कहा था कि उनका बचपन इसी गांव में बीता है और यह भूमि उन्हें अपने माता-पिता की याद दिलाती है, इसलिए इसे गांव के हित में समर्पित किया गया है।

जिले में 5 चौक चौराहों का किया जाएगा सौंदर्यकरण, खर्च किए जाएंगे 1 करोड़ 35 लाख रुपए

बहादुरगढ़ : झज्जर जिले के बहादुरगढ़ शहर की खूबसूरती में जल्द ही चार चांद लगने जा रहे हैं। नगर परिषद बहादुरगढ़ ने पहली बार शहर के प्रमुख चौक-चौराहों का विशेष थीम पर सौंदर्याकरण कराने की तैयारी पूरी कर ली है। इसके लिए करीब 1 करोड़ 35 लाख करोड़ रुपए की राशि खर्च की जाएगी। जल्द ही सौन्दर्यकरण का यह काम शुरू होगा। पहले चरण में शहर के पांच प्रमुख चौक-चौराहों को मॉडल चौक के रूप में विकसित किया जाएगा। इन्हें न केवल आकर्षक लुक दिया जाएगा, बल्कि इन्हें हरियाणा की संस्कृति, खेल, देशभक्ति और सामाजिक संदेशों से जोड़ते हुए एक नई पहचान दी जाएगी।

नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी अरुण नांदल ने बताया कि इन चौकों पर अलग-अलग थीम के तहत सजावट और निर्माण कार्य किया जाएगा। किसी चौक को 'तिरंगा थीम' पर तैयार किया जाएगा, जहां राष्ट्रीय ध्वज के रंगों का आभास देने वाली लाइटिंग और संरचना होगी। वहीं किसी चौक को 'हरियाणा स्पोर्ट्स थीम' के तहत सजाया जाएगा, जिसमें राज्य के खेलों के गौरव, खिलाड़ियों और खेल प्रतीकों को दशार्या जाएगा। एक चौक को 'पुलिस थीम' पर विकसित किया जाएगा, जिसमें पुलिस की छतरी और अनुशासन व सुरक्षा का संदेश होगा, जबकि एक अन्य चौक पर 'शेर का प्रतीक' स्थापित किया जाएगा, जो शक्ति और साहस का प्रतीक होगा। इन चौक चौराहों के सौंदर्यीकरण से शहर की सुंदरता बढ़ेगी। नगर परिषद अपने कोष से इनका सौन्दर्यकरण करवा रही है। हम आपको बता दें कि नगर परिषद की ओर से पहले चरण में पांच चौकों का सौंदर्याकरण किया जाएगा, उनमें नाहरा-नाहरी रोड पर ड्रेन रोड का जंक्शन, रेलवे रोड पर ड्रेन चौक जंक्शन, सेक्टर-9 का एंट्री चौक, सेक्टर-2 में झज्जर रोड का टी-प्वाइंट चौक और झज्जर रोड पर बादली चुंगी चौक शामिल हैं। इन सभी के डिजाइन फाइनल हो गए हैं। इन डिजाइनों को विशेष रूप से आर्किटेक्ट से बनवाया गया है।

घर के बाहर खड़ी गाड़ियों को शरारती तत्वों ने किया आग के हवाले

गुड़गांव, (ब्यूरो): गांव सिधरावली में घर के बाहर खड़ी थार गाड़ी को शरारती तत्वों ने आग के हवाले कर दिया। आग से थार कार तो जली ही, उसके साथ में खड़ी एक अन्य कार भी जल गई। आग की लपटें घर के अंदर तक गई तो घर में भी नुकसान हो गया।जानकारी के अनुसार, गांव सिधरावली में सोमवार की आधी रात को शरारती तत्वों ने एक घर के बाहर खड़ी थार गाड़ी में आग लगा दी। कुछ ही देर में आग की लपटों से गाड़ी घिर गई। थार के साथ में ही खड़ी एक मारुति वैगन आर कार में भी आग लग गई। देखते ही देखते आग दोनों गाड़ियों में फैल गई और दोनों गाड़ियां पूरी तरह से जल गई। साथ ही आग से घर में भी काफी नुकसान हो गया। आग की घटना को लेकर थार गाड़ी के मालिक रमन यादव का कहना है कि सोमवार की रात को पूरा परिवार घर में सो रहा था। आधी रात 12 बजे गली में शोर सुनाई दिया। उन्होंने बाहर निकलकर देखा तो उनकी थार गाड़ी में आग लगी थी। साथ ही पास में खड़ी वैगन आर गाड़ी भी उसकी चपेट में आ गई थी। पहले तो खुद ही बुझाने के प्रयास किए गए, लेकिन आग अधिक भड़कती गई।फायर बिग्रेड को इस घटना की सूचना दी गई। मौके पर बिलासपुर पुलिस थाना से टीम व फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची और आग बुझानी शुरू की। जब तक आग बुझायी जा सकी, तब तक गाड़ियां पूरी तरह से जल चुकी थी। पीड़ित रमन यादव का कहना है कि उनकी गाड़ी के अक्टूबर माह में शीशे भी तोड़े गए थे। तब भी पुलिस को शिकायत दी गई थी, लेकिन पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इस बार उनकी थार को आग ही लगा दी गई। पुलिस इस मामले में सीसीटीवी फुटेज खंगाली हैं। सीसीटीवी फुटेज में नजर आ रहा है कि रात दो बजकर छह मिनट पर एक युवक कैन में पेट्रोल लेकर वहां पहुंचता है। वह सधे हुए कदमों से थार की तरफ बढ़ता है और उस पर पेट्रोल छिडकता है। इसके बाद आग लगाकर फरार हो जाता है।

कुरुक्षेत्र में पशु मेले में पहुंचा पंजाब का सफेद रंग का घोड़ा

कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र के पिहोवा पशु मेले में 1 करोड़ का घोड़ा पहुंचा है। यह घोड़ा पंजाब के संगरूर से लाया गया है। घोड़े का नाम प्रताप रूप है, जो सिर से पैर तक पूरी तरह सफेद है। घोड़े की उम्र 28 महीने की है और यह 67 इंच ऊंचा है। लोग घोड़े के साथ फोटो खिंचवाने आ रहे हैं। घोड़े के मालिक सरपंच हरप्रीत सिंह और उनके पिता निर्भय सिंह ने बताया कि इसकी 1 करोड़ रुपए तक की कीमत लग चुकी है। लेकिन तब भी उन्होंने इसे नहीं बेचा। घोड़े को 3 टाइम अलग-अलग डाइट दी जाती है। सर्दियों में उसे दूध में बादाम उबालकर दिए जाते हैं। इसके अलावा नहलाकर एक घंटे तेल मालिश की जाती है। जानें घोड़े की तीनों टाइम की डाइट सुबह के समय प्रताप को 2 से 3 किलो काले चने दिए जाते हैं। 11 बजे उसे फॉर्म में घुमाने के लिए लेकर जाते हैं। दोपहर को फॉर्म में उसे खुला रखते हैं, जहां वो घास चरता है। शाम को प्रताप रूप को घर लाकर दूध पिलाते हैं। सर्दी में दूध में बादाम को डालकर उबालकर दिया जाता है। इसके बाद खाने के लिए उबला जौ भी देते हैं। गर्मी के दिनों में उसे सेब भी दिए जाते हैं।

हरियाणा के सांसदों का संसद में प्रदर्शन, 'कॉमनवेल्थ गेम्स 2030' की सह-मेजबानी हरियाणा को देने की मांग

नई दिल्लीः देश में खेलों का पावरहाउस माने जाने वाले हरियाणा को कॉमनवेल्थ खेल 2030 का सह-मेजबान राज्य बनाने की मांग को लेकर आज संसद परिसर में जोरदार प्रदर्शन हुआ। सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में, हरियाणा के कई सांसदों ने हाथों में तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया और केंद्र सरकार से खेल आयोजन में हरियाणा की भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग की। सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि प्रदर्शन में उनके साथ सांसद जय प्रकाश, सांसद वरुण मुलाना, और सांसद श्रवण कुमार ब्रह्मचारी भी शामिल थे। इस दौरान मांग की गई कि कॉमनवेल्थ खेल 2030, जिसकी मेजबानी हाल ही में भारत को मिली है, उसमें हरियाणा को सह-मेजबान राज्य के रूप में शामिल किया जाए। साथ ही, राज्य के खेल अवसंरचना को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा पर्याप्त बजट आवंटित किया जाए।सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने लोकसभा में भी इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि हरियाणा देश की कुल आबादी का मात्र तीन फीसदी है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय खेलों में यह भारत के लिए लगभग 50 प्रतिशत मेडल दिलाता है। उन्होंने इस आयोजन की मेजबानी से हरियाणा को बाहर रखने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे राज्य के खिलाड़ियों के साथ "अन्याय और उनके अद्वितीय योगदान का अपमान" बताया।यह मांग ऐसे समय में आई है जब भारत को 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिली है, जिसके लिए अहमदाबाद को प्रमुख मेजबान शहर के रूप में औपचारिक मंजूरी मिली है। हरियाणा के सांसदों का कहना है कि राज्य की खेल प्रतिभा और मौजूदा खेल सुविधाओं को देखते हुए, उसे सह-मेजबान बनाना देश के हित में होगा।

भाई से मिलने जा रहा था युवक, बदमाशों ने अपहरण के बाद की लूट, ऐसे चंगुल से छूटा युवक

गुड़गांव, (ब्यूरो): भाई से मिलने के लिए जा रहे युवक का कार सवार दो युवकों ने अपहरण कर लिया। युवकों ने मारपीट के बाद उससे लूट की वारदात को अंजाम दिया। इसी दौरान इन बदमाशों ने युवक पर दबाव बनाया कि वह अपने रिश्तेदारों को फोन कर उनसे रुपए मंगवाए। इसी दौरान युवक इन बदमाशों के चंगुल से बच निकला और इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।आरोपियों की पहचान बालियावास निवासी विकास और दीपक के रूप में हुई। आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया गया। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त एक गाड़ी को भी बरामद कर लिया है। इसके साथ ही पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 790 रुपए बरामद किए हैं। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान सामने आया कि आरोपियों द्वारा युवक को अकेला जाते हुए देखा और उसे लूटने की योजना बनाई। आरोपियों के खिलाफ गुड़गांव ही नहीं बल्कि फरीदाबाद व अन्य जिलों व राज्यों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। जिनके विषय में पूछताछ की जा रही है। आपको बता दें कि मूल रूप से मध्यप्रदेश के रहने वाले राजा ने सेक्टर-65 थाना पुलिस को शिकायत देकर बताया था कि वह बहारामपुर में रहता है। वह कल अपने भाई से मिलने के लिए सेक्टर-17 जा रहा था। रात को जब वह बहरामपुर के पास से गुजर रहा था तो इको गाड़ी में सवार दो युवकों ने उसे रोक लिया और उससे मारपीट करते हुए उसका अपहरण कर लिया। आरोपियों ने उससे मोबाइल, पर्स व 1500 रुपए नकद लूट लिए। इसके बाद उन्होंने रिश्तेदारों को फोन कर 25 हजार रुपए मंगवाने का दबाव बनाया, लेकिन उसने मना कर दिया। इसी दौरान उसके भाई का फोन आया। इन बदमाशों ने फोन पर उसके भाई से बात की और उनसे कहा कि राजा ने अत्याधिक शराब पी है और वह उनकी गाड़ी में है। उसे ले जाना है तो 25 हजार रुपए देने होंगे। इन बदमाशों ने उसे धमकी दी कि अगर पुलिस को जानकारी दी तो वह राजा को मार देंगे। आरोपियों का फोन कटते ही अपहृत युवक के भाई ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। इस दौरान मौका पाकर राजा भी इन बदमाशों के चंगुल से निकल आया और पूरी घटनाक्रम की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए दीपक और विकास को काबू कर लिया। वहीं, पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से इको गाड़ी भी बरामद की जोकि दीपक की है। यह कैब चलाते हैं और इनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

खबर एक्सप्रेस

कैथल में दोषी को 10 साल की कठोर सजा, परिवार के शादी समारोह में जाते ही दिया था वारदात को अंजाम

कैथल : कैथल में साल 2022 के समय अजय मार्केट क्षेत्र स्थित एक घर में हुई डकैती के मामले में अदालत ने अहम फैसला सुनाया है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोहित अग्रवाल की अदालत ने दोषी करार दिए गए युवक को 10 साल के कठोर कारावास और 25 हजार रुपये के जुमार्ने की सजा सुनाई है। पुलिस अधीक्षक उपासना ने बताया कि अजय मार्केट निवासी संजय ने थाना सिविल लाइन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, उसके घर में पिछले करीब 20 वर्षों से रुप सिंह नामक व्यक्ति घरेलू नौकर के रूप में काम करता था। इसके अलावा हाल ही में प्रवीण नामक एक अन्य युवक को भी घरेलू काम के लिए रखा गया था। 18 फरवरी 2022 को संजय अपने परिवार के साथ घर पर दोनों नौकरों को छोड़कर एक शादी समारोह में शामिल होने चंडीगढ़ गया था। अगले दिन जब परिवार घर लौटा तो घर से सोने-चांदी के आभूषण और नकदी गायब मिली। वहीं घरेलू नौकर रुप सिंह घायल अवस्था में बेहोश पड़ा था। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने घर के कुत्तों को भी नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश कर दिया था। पुलिस जांच में यह स्पष्ट हुआ कि नौकर प्रवीण ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। मामले की जांच तत्कालीन सीआईए-1 टीम ने की और नेपाल निवासी योगेंद्र को गिरफ्तार किया गया, जिसने अपराध को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने ठोस साक्ष्य जुटाकर चालान अदालत में पेश किया। लोक अभियोजक बलिंद्र ने प्रभावी ढंग से पक्ष रखा। कुल 18 गवाहों के बयान दर्ज हुए। सबूतों के आधार पर अदालत ने आरोपी योगेंद्र को दोषी मानते हुए सजा सुनाई।

फाइनेंसरों से तंग आकर युवक ने किया सुसाइड, परिजनों का शव लेने से इनकार, रखी ये मांग

पलवल : पलवल जिले के गांव चांदहट में एक युवक ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों को मृतक के जेब से मिले सुसाइड नोट के अनुसार मृतक दीपचंद को फाइनेंसरों द्वारा बार बार प्रताड़ित किया जा रहा था। इसी से आहत होकर युवक ने खौफनाक कदम उठा लिया। घटना की सूचना पाकर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सामान्य अस्पताल भिजवाकर आगामी कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में परिजनों ने बताया कि 49 वर्षीय दीपचंद ऑटो चलाकर अपने परिवार का गुजारा करता था। उसने सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने बताया कि कुछ समय पहले दीपचंद ने गांव घोड़ी निवासी फाइनेंसर विकास से 10 हजार रुपए लिए थे। उसने विकास को 18 हजार रुपए वापिस भी कर दिए थे। फाइनेंसर पर प्रताड़ित करने के आरोप इसके बावजूद भी फाइनेंसर विकास और उसके सहयोगी उससे बार-बार ब्याज के नाम पर पैसों की मांग करते हुए प्रताड़ित कर रहे थे। कभी उससे ऑटो छीन लेने की धमकी देते थे तो कभी गाली गलौच कर उसे अपमानित करते थे। इसी वजह से तंग आकर दीपचंद ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों की मांग परिजनों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती है, तब तक शव नहीं लेंगे। फिलहाल पुलिस ने मृतक का शव नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखा हुआ है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

बेसहारा डॉग्स को अब मिलने जा रहा आसरा, 13.23 लाख का लागत से यहां तैयार होंगे शेल्टर होम

अंबाला कैंट : अंबाला कैंट में बेसहारा डॉग्स को अब आसरा मिलने जा रहा है। इसके लिए कैंट में नगर परिषद डॉग्स के लिए शेल्टर होम बनाने जा रही है। जिसके लिए जगह चिन्हित कर ली गयी है और करीब 13.23 लाख की लागत से इसे तैयार किया जाएगा। अंबाला कैंट में बेसहारा डॉग्स के लिए अब एक शेल्टर होम बनाया जा रहा है। सर्दी का मौसम आ गया है ऐसे मे बेसहारा डॉग्स को आराम से शेल्टर होम में रह सकेंगे। शेल्टर होम एक जर्जर सामुदायिक केंद्र का जीर्णोद्धार करके बनाया जाएगा। इस योजना को सिरे चढ़ाने के लिए नगर परिषद ने निविदा जारी कर दी है। इस पर 13.23 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। शेल्टर होम में कुत्तों के खाने व पीने की सुविधा के अलावा उनके रख-रखाव व उपचार का प्रबंध भी किया जाएगा। इसके अलावा यहां पशु विशेषज्ञों व अन्य कर्मचारियों की तैनाती भी की जाएगी। इसके साथ ही अंबाला छावनी में कुत्तों की नसंबदी कार्य किया जा रहा है। लगभग 100 कुत्तों की नसंबदी की जा चुकी है, बावजूद इसके गली-मोहल्लों, बस अड्डे सहित रेलवे स्टेशन पर इनकी काफी तादाद नजर आ रही है। इसलिए नगर परिषद ने संबंधित एजेंसी को इन ठिकानों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं, इसके अलावा रिहायशी क्षेत्रों में कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

डीएसपी व उसके रीडर के खिलाफ शिकायत लेकर ज्वेलर पहुंचा एसीबी

फतेहाबाद : फतेहाबाद के व्हिसल ब्लोअर ज्वेलर ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने डीएसपी व उसके रीडर के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो को शिकायत दी है। आरोप है कि पुलिस उसके घर व दुकान की रैकी कर रही है। उसे डरा रहे है कि पुलिस कभी भी मरवा सकती है। मीडिया से बातचीत में भूना निवासी ज्वेलर नरेश सोनी ने बताया कि डीएसपी की तरफ से उसके पास नोटिस आया कि आपके खिलाफ भागुराम ने शिकायत दे रखी है। यह शिकायत उस मामले को दबाने के लिए दिलवाई गई है, जिसमें उन्होंने डीएसपी संजय बिश्नोई के भ्रष्टाचार का मामला उठाया था। उस मामले को दबाने के लिए पुलिस ऐसे फर्जी शिकायतें लेकर उसको परेशान कर रही है। जिसने शिकायत दी है, उसी ने डीएसपी के रीडर तक पैसे पहुंचाए थे। इस मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो थाने में रीडर पर केस भी दर्ज हो चुका है। इस मामले की हाईकोर्ट में 18 दिसंबर को सुनवाई है। उससे पहले उस पर दबाव डालकर मामला निपटाने की कोशिश की जा रही है। सिलसिलेवार जानिए नरेश सोनी और पुलिस में खींचतान के मामलेराज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण को शिकायत दीः 17 अप्रैल 2023 को भूना निवासी ज्वेलर नरेश सोनी के खिलाफ क्रिकेट मैच सट्टा बुकी चलाने के आरोप में केस दर्ज किया गया था। इसके बाद इस केस को चैलेंज करते हुए नरेश सोनी ने राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकरण को शिकायत की थी। उस मामले की जांच के बाद प्राधिकरण ने तत्कालीन सीआईए इंस्पेक्टर सहित आठ पुलिसकर्मियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की सिफारिश की थी। इन पुलिसकर्मियों पर केस दर्ज करने की सिफारिशः प्राधिकरण ने डीएसपी को चेतावनी जारी करने की सिफारिश का फैसला सुनाया था। प्राधिकरण ने तत्कालीन सीआईए इंस्पेक्टर कपिल सिहाग, एएसआई प्रवीण कुमार, एएसआई रामअवतार, एचसी गुरपान सिंह, एचसी रोहताश कुमार, ईएचसी सुभाष चंद्र, कॉन्स्टेबल कमलदीप व कॉन्स्टेबल सतीश के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की सिफारिश की थी। डीएसपी व रीडर पर लगाया था भ्रष्टाचार का आरोप ज्वेलर नरेश सोनी ने एससी-एसटी एक्ट का केस रद्द करने के लिए डीएसपी संजय बिश्नोई और उनके रीडर दर्शन लाल पर रिश्वत लेने के आरोप लगाए थे। इसकी शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो को दी थी। इस मामले में एसीबी के हिसार थाने में रीडर दर्शनलाल पर केस दर्ज हुआ था। डीएसपी संजय बिश्नोई से भी पूछताछ की गई थी।

भारतीय टीम चौथे टी20 में भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे टी20 मैच में उतरेगी। भारतीय टीम इस सीरीज में 2-1 से आगे है और ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर पांच मैचों की इस सीरीज में अपनी बढ़त बनाये रखना रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव भी लंबी पारी खेलना चाहेंगे। सूर्या अब तक इस सीरीज में रन नहीं बनाने के कारण निशाने पर हैं। इस मैच में उपकप्तान शुभमन गिल को आराम देकर उनकी जगह पर संजू सैमसन को भी अवसर मिल सकता है। शुभमन भी इस सीरीज में रन नहीं बना पाये हैं। ऐसे में सभी का मानना है कि उन्हें आराम दिया जाना चाहिये। भारतीय टीम चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सही संतुलन से उतर कर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करना चाहेगी।

सूर्यकुमार का इस सत्र में औसत 15 से कम है। इसके अलावा 2025 में उनके नाम कोई अर्धशतक नहीं है जो उनके करियर में इस तरह का सबसे लंबा चरण है। वह इस दौरान केवल दो बार 20 गेंद से अधिक बल्लेबाजी करने में सफल रहे हैं। टी20 विश्व कप में दो महीने से भी कम समय बचा है और ऐसे में टीम चाहेगी कि उनका कप्तान अपनी लय हासिल करे।

वहीं उप-कप्तान शुभमन गिल का प्रदर्शन भी काफी खराब रहा है। उनके पारी की शुरुआत करने के बाद से ही टीम का शीर्ष क्रम विफल रहा है। शुभमन को अच्छी बल्लेबाजी कर रहे संजू सैमसन की जगह पर टीम में शामिल किया गया था पर वह परिणाम नहीं दे पाये। शुभमन अभी तक टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने को स्थापित नहीं कर पाये हैं। वह रविवार को कम लक्ष्य का पीछा करते हुए भी सिर्फ 28 रन ही बना पाए जिसने विश्व कप से पहले उनकी बल्लेबाजी पर सवाल उठ रहे हैं।

विश्व कप से पहले भारत के पास इस प्रारूप में अब सिर्फ 7 मैच हैं। अक्षर पटेल के बीमारी के कारण सीरीज से बाहर होने के बाद भारत ने शाहबाज अहमद को इस मैच के लिए टीम में जगह दी है। जिससे स्पिनर कुलदीप यादव को अधिक अवसर मिल सकते हैं। वहीं

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह निजी कारणों से इस मैच से बाहर हैं। ऐसे में उनकी जगह पर बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को टीम में बनाये रखा जाएगा। पिछले मैच में अर्शदीप ने जबरदस्त खेल दिखाया था। वहीं हर्षित राणा ने भी धर्मशाला में अच्छी बल्लेबाजी की। अभी भारतीय टीम 5 मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे है। ऐमें उसका हौंसला बुलंद है।

वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीकी टीम का लक्ष्य किसी भी प्रकार ये मैच जीतकर सीरीज में वापसी करना रहेगा। टीम की बल्लेबाजी एडेन मारक्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, डेविड मिलर पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, कोर्बिन बॉश, केशव महाराज के पास रहेगी। टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से दक्षिण अफ्रीका की टीम छोटे प्रारूप में 28 में से 18 मैच हारी है। इससे पता चलता है कि टीम में निरंतरता की कमी है। दक्षिण अफ्रीका को बेहतर संयोजन की तलाश है और इसको देखते हुए टीम प्रबंधन लगातार बदलाव कर रहा है जिससे खिलाड़ी लय हासिल नहीं कर पा रहे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, एनटी तिलक वर्मा, शाहबाज अहमद, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, हर्षित राणा, कुलदीप यादव और वाशिंगटन सुंदर।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मारक्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, रीजा हेंड्रिक्स, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसेन, लूथो सिपाम्ला, ओटनील बार्टमैन, एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, कोर्बिन बॉश, केशव महाराज और जॉर्ज लिंडे।

बुमराह निजी कारणों से घर लौटे, अंतिम टी20 में हो सकती है वापसी

-अक्षर बचे हुए दोनो मैचों से बाहर हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह निजी कारणों से अपने घर वापसी चले गये हैं। इस कारण उन्हें टीम से बाहर रखा गया है। इससे पहले बुमराह के अचानक ही टीम से बाहर होने के कारण कई प्रकार के सवाल उठ रहे थे। बीसीसीआई और टीम प्रबंधन के अनुसार परिवार में मेडिकल इमरजेंसी को देखते हुए ही बुमराह को घर लौटना पड़ा है। गौरतलब है कि बुमराह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 में भी शामिल नहीं थे। इसी कारण उनकी जगह युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को टीम में जगह मिली थी। एक रिपोर्ट में बीसीसीसीआई के हवाले से कहा गया है कि बुमराह के परिवार का एक सदस्य गंभीर रुप से बीमार होने के बाद अस्पताल में भर्ती है। इसी कारण उन्हें घर लौटना पड़ा है। उनके चौथे या पांचवें टी20 में वापसी की उम्मीदें हैं। वहीं इस रिपोर्ट के अनुसार, अगर सब कुछ ठीक रहता है तो बुमराह अहमदाबाद में होने वाले पांचवें टी20 मुकाबले के लिए टीम में शामिल हो सकते हैं। हालांकि अभी उनकी , प्राथमिकता अपने परिवार के साथ रहना और स्थिति संभालना है। बुमराह के अलावा स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी बीमार होने के कारण तीसरे टी20 से बाहर रहे थे। इसी कारण उनकी जगह कुलदीप यादव को जगह मिली थी। अक्षर पटेल बिमारी के कारण बचे हुए दो मैचों से बाहर हो गये हैं। उनकी जगह पर शाहबाज़ अहमद को टीम में जगह मिली है। तीसरे टी20 में जीत के साथ ही भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। सीरीज का चौथा मुकाबला 17 दिसंबर को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा।

अभिषेक ने किया सूर्यकुमार ओर शुभमन का समर्थन, विश्वकप में दोनो हमें जीत दिलाएंगे

धर्मशाला (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और उपकप्तान शुभमन गिल पिछले काफी समय से अपने खराब फार्म के कारण आलोचकों के निशाने पर हैं। वहीं भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का मानना है कि अगामी टी20 सीरीज और विश्वकप में ये दोनो अपने प्रदर्शन से टीम को जीत दिलाएंगे। अभिषेक ने माना कि अभी ये रन नहीं बना पा रहे हैं पर कहा कि जब इनकी सबसे ज्यादा जरूरत होगी तो ये दोनों ही टीम के लिए जमकर रन बनाएंगे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज में सूर्यकुमार ने 3 मैचों में 29 और शुभमन ने 3 मैचों में 32 रन बनाए हैं। भारतीय टीम हालांकि सीरीज में आग है। धर्मशाला में खेले गए तीसरे टी20 मैच में भी उप्तान और उपकप्तान विफल रहे थे। इस मैच में शुभमन की धीमी बल्लेबाजी पर ही सवाल उठे हैं। इसके बाद भी अभिषेक का मानना है कि किसी को भी चिन्ता की जरुरत नहीं है। अभिषेक ने कहा, मैं ये दोनों विश्व कप में और उससे पहले दूसरी सीरीज में भी मेज विजेता साबित होंगे। मैं उनके साथ इतने लंबे समय से खेल रहा हूं, खासकर शुभमन के साथ, इसलिए मुझे पता है कि वह कहां मैच जिता सकता है, कोई भी हालात हो और टीम कोई भी हो। मुझे उस पर शुरू से ही बहुत भरोसा रहा है और मुझे उम्मीद है कि सब लोग इसे बहुत जल्द देखेंगे और उनको भी भरोसा हो जाएगा।

आईपीएल ऑक्शन-ऑस्ट्रेलिया के ग्रीन 25.20 करोड़ में बिके

केकेआर ने खरीदा, लीग के इतिहास के सबसे महंगे विदेशी; स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा

अबु धाबी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें मंगलवार को अबु धाबी में चल रहे मिनी ऑक्शन में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 25.20 करोड़ रुपए में खरीदा।

ग्रीन ने अपने ही देश के मिचेल स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा। उन्हें 2024 में केकेआर ने ही 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। पहले सेट में 6 प्लेयर्स ऑक्शन पूल पर लाए गए। इसमें से 2 ही बिके। डेविड मिलर को दिल्ली कैपिटल्स ने 2 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ा। जेक फ्रेजर-मैकगर्क, डेवोन कॉन्वे, सरफराज खान और पृथ्वी शॉ अनसोल्ड रहे हैं। उन पर किसी ने बोली नहीं लगाई।

ऑक्शन इतिहास के सबसे महंगे प्लेयर ऋषभ पंत हैं। उन्हें पिछले साल मेगा ऑक्शन में लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपए में खरीदा था। 10 टीमें 77 खिलाड़ियों को खरीदने के लिए बोली लगा रही है। नीलामी में 350 प्लेयर्स के नाम ऑक्शन पूल पर लाए जाएंगे।

किस टीम का पर्स सबसे बड़ा है?

सबसे कम प्लेयर्स को रिटेन करने वाली केकेआर का पर्स ही सबसे बड़ा है, टीम 64.30 करोड़ रुपए लेकर नीलामी में आएगी। उनके बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पर्स में 43.40 करोड़ रुपए है। मुंबई इंडियंस के पर्स में सबसे कम 2.75 करोड़ रुपए है। आरसीबी, आरआर, पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के पर्स में 11 से 17 करोड़ रुपए है। वहीं दिल्ली, लखनऊ और सनराईजर्स हैदराबाद के पर्स में 21 से 26 करोड़ रुपए है।

26 मार्च से शुरु होगा आईपीएल 2026 सत्र : बीसीसीआई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि आईपीएल का 19वां सत्र अगले साल 26 मार्च 2026 से शुरू होगा । वहीं इसका खिताबी मुकाबला 31 मई को होगा । बीसीसीआई ने सभी फ्रेंचाइज़ियों को ये जानकारी दी है । जिसे सभी टीमें आगामी सत्र के लिए बेहतर तरीके से तैयारी कर सकें । इस बार मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टूर्नामेंट का शुरुआती मैच खेलेगी। ये मैच घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शायद ही खेला जाये क्योंकि इसकी उपलब्धता अभी पक्की नहीं हुई है। स्टेडियम की अनुमति राज्य सरकार से मिली है पर पिछले सत्र में आरसीबी की जीत के बाद यहां जिस प्रकार भगदड़ मची थी। उसे देखते हुए सुरक्षा मंजूरी के बाद ही यहां मैच खेला जा सकेगा। रिपोट्‌र्स के मुताबिक, आईपीएल का 19वाँ सीजन पुरुष टी20 विश्व कप के समाप्त होने के लगभग तीन हफ्ते बाद शुरू होगा। विश्व कप 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। इस कार्यक्रम से आईपीएल करीब दो महीने से ज्यादा चलेगा, जिसमें 10 टीमें हिस्सा लेंगी ।हालाँकि पूरे मुकाबलों का कार्यक्रम अभी शेष है पर फाइनल 31 मई को होगा। एक बड़ा मामला यह उभर रहा है कि लगातार दूसरे साल आईपीएल और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की तारीखें टकरा रही हैं। पीएसएल 2026 का आयोजन 26 मार्च से 3 मई तक प्रस्तावित है। इस प्रकार दोनों लीग एक साथ चलेंगी। इससे खिलाड़ियों की उपलब्धता पर प्रभाव पड़ सकता है।

अब शुभमन की जगह पर सैमसन को अवसर दें : कैफ

नई दिल्ल । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले तीन मैचों में असफल रहे बल्लेबाज शुभमन गिल को अब आराम देकर उनकी जगह पर संजू सैमसन को बचे हुए मैचों में रखा जाये । कैफ ने कोच गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन से कहा है कि अब सैमसन को पारी की शुरुआत का अवसर दिया जाना चाहिये। शुभमन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के शुरुआती तीन टी20 मैचों में विफल रहे ओर केवल 4, 0 और 28 रन ही बना पाये।

कैफ ने कहा, शुभमन गिल को आरात देते हुए किसी अन्य खिलाड़ी को अवसर दें। वहीं कैफ ने कहा, सैमसन खिलाड़ी योग्य है उसे उनकी जगह पर अवसर मिलना चाहिये। ये उसका अधिकार है। वह सोच रहा होगा कि शुभमन तो एक साल से खेल रहे हैं और मुझे 2-3 खराब पारियों के बाद ही बाहर कर गया। कैफ ने कहा, 'एक या दो खिलाड़ी अंतर पैदा करते हैं जिन्हें अवसरों के संदर्भ में विशेष अवसर दिये जाने चाहिये। शुभमन को देखिए, वह कितनी सारी पारियां पहले ही खेल चुके हैं?' उन्होंने आगे कहा, हम पिछले कुछ समय से इसके बारे में बात कर रहे हैं। अब आपको फैसला लेना होगा, समय आ गया है। भारतीय टीम सीरीज में अभी 2-1 से आगे है। भारतीय टीम को अगले साल से शुरू होने जा रहे टी20 विश्व कप से पहले अभी सात टी20 मैच खेलने हैं।

अभिज्ञान कुंडू के दोहरे शतक से भारतीय अंडर-19 टीम ने मलेशिया को 315 रन से हराया

-दीपेश ने 22 रन देकर पांच विकेट लिए

दुबई (एजेंसी)। अभिज्ञान कुंडू के रिकार्ड दोहरे शतक के बाद दीपेश देवेंद्रन की शानदार गेंदबाजी से भारतीय टीम ने अंडर-19 एशिया कप 2025 के मुकाबले में मलेशिया को 315 रन से हरा दिया। कुंडू ने 209 रन बनाये जबकि दीपेश देवेंद्रन ने 22 रन देकर पांच विकेट लिए। इससे भारतीय टीम ने मलेशिया को हराकर अंडर-19 एकदिवसीय क्रिकेट की सबसे बड़ी जीत हासिल की। भारतीय टीम ने इस मैच में 50 ओवर में 7 विकेट पर 408 रन बनाये। वहीं विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी मलेशियाई टीम भारतीय गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पाई और 32.1 ओवर में 93 रन पर ही सिमट गयी।

दीपेश देवेंद्रन ने सात ओवर में 22 रन देकर पांच विकेट लिए । वहीं उधव मोहन ने दो विकेट लिए, जबकि किशन कुमार सिंह, खिलन पटेल और कनिष्क चौहान को एक-एक विकेट लिया।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत की शुरुआत साधारण रही, लेकिन इसके बाद कुंडू ने मैच दल दिया। ने जबरदस्त रफ्तार पकड़ी। वेदांत त्रिवेदी और अभिज्ञान कुंडू ने चौथे विकेट के लिए 209 रन की शानदार साझेदारी कर मलेशियाई गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। त्रिवेदी ने 90 रन बनाये जबकि कुंडू ने अंडर-19 का सबसे बड़ा स्कोर बनाया।

17 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज कुंडू ने 125 गेंदों में 17 चौकों और 9 छक्कों की मदद से 209 रन बनाए। उन्होंने सिर्फ 44 गेंदों में अर्धशतक और 80 गेंदों में शतक पूरा किया, जबकि 121 गेंदों में दोहरा शतक लगा दिया।

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए एजाज पटेल न्यूजीलैंड टीम में शामिल

-ब्लंडेल की भी हुई वापसी, मिच बाहर हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने स्पिनर एजाज पटेल को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए शामिल किया है। एजाज के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल की भी टीम में वापसी हुई है। एजाज को ब्लेयर टिकनर की जगह शामिल किया गया है। टिकनर कंधे की चोट के कारण टीम से बाहर हैं।

वहीं पहले टेस्ट से बाहर रहे अनुभवी विकेटकीपर टॉम ब्लंडेल को इस मैच में शामिल किया गया है। वह हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण पिछले मैच से बाहर थे। इसी कारण दूसरे टेस्ट में मिच विकेटकीपर के तौर पर शामिल किये गये थे। मिच अब फिर से घरेलू क्रिकेट में लौटेंगे और कैंटरबरी की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलेंगे। एजाज नवंबर 2024 में टेस्ट मैच में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। भारत में खेली टेस्ट सीरीज जीत के एक ही मैच में उन्होंने दस विकेट लेकर कीवी टीम को जीत दिलायी थी। फरवरी 2020 के बाद वह पहली बार घरेलू टेस्ट खेलेंगे।

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, एजाज ऐसा खिलाड़ी है, जिस पर हम भरोसा करते हैं। बे ओवल की पिच आमतौर पर न्यूजीलैंड की दूसरी पिचों के मुकाबले ज्यादा टर्न लेती है और जिस तरह से वह गेंद को राइट-हैंडर से दूर घुमाता है, वह बहुत अच्छा है। तीसरे टेस्ट में एक और स्पिनर को शामिल करने से हमारे गेंदबाजी आक्रमण में भी विविधता आएगी, साथ ही हमारे सीमर्स भी हैं जिन्होंने इस सीरीज में अब तक बहुत अच्छा काम किया है। वहीं टीम में कोई और बदलाव नहीं किया गया है। सिर्फ एजाज पटेल और टॉम ब्लंडेल को जोड़ा गया है, जबकि मिच को बाहर कर दिया गया है। न्यूजीलैंड अभी सीरीज में 1-0 से आगे है। पहला टेस्ट रोमांचक ड्रॉ पर खत्म हुआ था। आखिरी टेस्ट 18 दिसंबर से माउंट माउंगानुई के बे ओवल में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम अब इस प्रकार है

टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, जैक फॉक्स, डेरिल मिशेल, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, माइकल रे, रचिन रवींद्र, केन विलियमसन और विल यंग

मोहाली गोलीबारी में घायल कबड्डी राणा बलाचौरिया की मौत

मोहाली । पंजाब के मोहाली शहर में कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान हुई गोलीबारी में गंभीर रुप से घायल हुए खिलाड़ी राणा बलाचौरिया की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी है । राणा इस टूर्नामेंट के प्रमोटर भी थे । इस घटना से खेल जगत के साथ-साथ पूरे इलाके में शोक और आक्रोश है । मृतक खिलाड़ी की 10 दिन पहले ही में शादी हुई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोहाना में कबड्डी का एक बड़ा टूर्नामेंट चल रहा था, इस कारण वहां दर्शकों की भारी भीड़ थी। टूर्नामेंट के आयोजक और प्रमोटर राणा बलाचौरिया भी मैदान के पास मौजूद थे । एक रिपोर्ट के अनुसार इसी दौरान बाइक और कार में सवार होकर आए कुछ बदमाश वहां पहुंचे । ये फोटो खींचने के नाम पर राणा के करीब पहुंचे और पास जाते ही अचानक गोलियां चला दीं । गोलीबारी की आवाज सुनते ही अफरा-तफरी मच गई । गोलियां लगने से गंभीर रूप से घायल हुए राणा को तत्काल ही करीब के अस्पताल पहुंचाया गया पर वह बचाये नहीं जा सके । इस प्रकार दिन दहाड़े हुई गोलीबारी से लोग सकते में हैं । अपराधियों की गोलीबारी से टूर्नामेंट में भगदड़ मच गयी थी । इस टूर्नामेंट में कई बड़ी पंजाबी सिंगरों के आने का भी कार्यक्रम था, लेकिन उनके पहुंचने से पहले ही यह घटना हो गई ।, इसके बाद पूरा कार्यक्रम प्रभावित हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरु कर दी । पुलिस ने अपराधियों की तलाश के लिए कई टीमें गठिन कर दी हैं। हत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चला है । पिछले कुछ समय से खेल मुकाबलों में भी हमले के मामले बढ़ते जा रहे हैं ।

श्रीलंकाई टीम के पूर्व कप्तान अर्जुन रणतुंगा की गिरफ्तारी के आदेश जारी हुए

मंत्री रहते सरकारी तेल कंपनी को पहुंचाया नुकसान

कोलंबो । विश्वकप विजेता श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और पेट्रोलियम संसाधन विकास मंत्री रहे अर्जुन रणतुंगा की गिरफ्तारी के आदेश जारी हुए हैं । यहां की एक अदालत ने खेल से राजनीति में आये रणतुंगा का नाम भ्रष्टाचार के मामले में आने के कारण ये आदेश दिये हैं । इसी कारण उनके विदेश जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। रणतुंगा पर सरकारी तेल कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाने के आरोप हैं। वहीं रिश्वत और भ्रष्टाचार रोधी जांच एजेंसी ने कहा है कि रणतुंगा को गिरफ्तार कर पेश करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है । श्रीलंका की भ्रष्टाचार या रिश्वत के आरोपों की जांच करने वाले आयोग (सीआईएबोक) ने मुख्य मजिस्ट्रेट न्यायालय को बताया कि रणतुंगा के मंत्री रहते सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) में ईंधन खरीद से जुड़े फैसलों के कारण लगभग 800 मिलियन श्रीलंकाई रुपये का कथित नुकसान हुआ । यह नुकसान इसीलिए क्योंकि दीर्घकालिक ईंधन टेंडर रद्द कर महंगे दामों पर स्पॉट टेंडर लागू किए गए । आयोग की ओर से पेश हुईं सहायक निदेशक (कानूनी) अनुषा सम्मंथप्पेरुमा ने अदालत को बताया कि वर्ष 2017-2018 के लिए प्रस्तावित तीन दीर्घकालिक ईंधन आपूर्ति टेंडर रद्द किए गए थे । इसके बाद लिए गए फैसलों के कारण निगम को गंभीर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा । इसी आधार पर सीपीसी के पूर्व चेयरमैन धम्मिका रणतुंगा को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया है ।

विराट-अनुष्का की वृंदावन यात्रा : प्रेमानंद जी महाराज के किए दर्शन, मिली जीवन की बड़ी सीख

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े नामों में शुमार विराट कोहली सिर्फ मैदान पर ही नहीं, बल्कि निजी जीवन में भी गहरी सोच और आध्यात्मिक जुड़ाव के लिए जाने जाते हैं। अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ उनकी हालिया वृंदावन यात्रा ने एक बार फिर यह दिखाया कि सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद भी वे आंतरिक शांति और मार्गदर्शन को कितना महत्व देते हैं। श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में प्रेमानंद जी महाराज से हुई यह मुलाकात न सिर्फ आध्यात्मिक रही, बल्कि जीवन, सेवा और कर्म को देखने के नजरिए पर भी केंद्रित थी।

वृंदावन में तीसरी बार पहुंचे कोहली और अनुष्का

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा का वृंदावन से खास जुड़ाव रहा है। यह जोड़ा नियमित रूप से यहां आता रहा है और साल 2025 में यह उनकी तीसरी यात्रा मानी जा रही है। इससे पहले जनवरी में वे अपने बच्चों के साथ आश्रम पहुंचे थे, जबकि मई में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के ठीक एक दिन बाद वृंदावन का रुख किया था। हर बार की तरह इस बार भी दोनों ने सादगी और श्रद्धा के साथ समय बिताया।

प्रेमानंद जी महाराज की सीख- सेवा और विनम्रताआश्रम में हुई बातचीत के दौरान प्रेमानंद जी महाराज ने जीवन को सेवा के रूप में देखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अपने काम को केवल पेशा नहीं, बल्कि सेवा समझना चाहिए। साथ ही, गंभीरता, विनम्रता और ईश्वर के नाम का स्मरण जीवन को संतुलित बनाता है। महाराज जी ने यह भी समझाया कि ईश्वर के दर्शन की गहरी चाह मन में होनी चाहिए, वही इंसान को सांसारिक मोह से ऊपर उठाती है।

भावुक अनुष्का, सहमति में विराट

इस आध्यात्मिक संवाद के दौरान अनुष्का शर्मा काफी भावुक नजर आईं और पूरे ध्यान से महाराज जी की बातें सुनती रहीं। विराट कोहली भी हर सीख पर सहमति जताते दिखे। महाराज जी ने आगे कहा कि जब इंसान यह मान ले कि संसार के सुख उसे मिल चुके हैं और अब केवल ईश्वर की इच्छा शेष है, तब सच्चा आनंद उनके चरणों में मिलता है। इस पर अनुष्का ने विनम्रता से कहा, ÷हम आपके हैं, महाराज जी,÷ जिसके जवाब में उन्होंने सभी को ईश्वर का संतान बताया।

आध्यात्म के साथ मैदान पर भी फोकस

टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद विराट कोहली फिलहाल वनडे क्रिकेट में सक्रिय हैं और उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती असफलताओं के बाद उन्होंने नाबाद 74 रन की अहम पारी खेली और टीम को आसान जीत दिलाई। इसके बाद लगातार दो वनडे शतक और तीसरे मैच में नाबाद 65 रन बनाकर उन्होंने सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई।

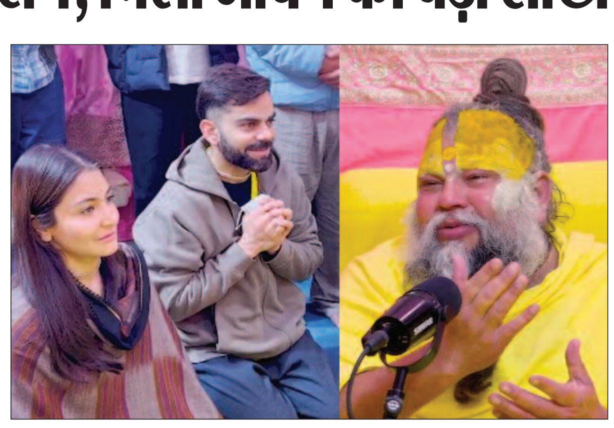

विराट कोहली का नया संतुलन

विराट कोहली की यह यात्रा साफ दिखाती है कि वे अब क्रिकेट और आध्यात्म के बीच संतुलन बनाकर चल रहे हैं। मैदान पर आक्रामकता और आश्रम में शांति यही संतुलन शायद उनके करियर के इस नए अध्याय की सबसे बड़ी ताकत है।

एक्ट्रेस निवेथा पेथुराज ने सगाई बाद तोड़ी शादी? तस्वीरें डिलीट, मंगेतर को भी किया अनफॉलो!

साउथ फिल्मों की एक्ट्रेस निवेथा पेथुराज को लेकर एक खबर आई है, जो चौंकाने वाली है। कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस ने सगाई के तीन महीने बाद ही रिश्ता खत्म कर दिया है। उन्होंने अपनी सगाई और शादी तोड़ दी है। निवेथा पेथुराज करीब दो साल से फिल्मी पर्दे से दूर थीं, और नवंबर में ही उन्होंने सोशल मीडिया पर वापसी करते हुए सगाई का ऐलान किया था। आखिर ऐसा क्या हुआ है जो निवेथा पेथुराज की सगाई और शादी टूटने की खबरें आने लगी हैं?

दरअसल, निवेथा पेथुराज ने अपनी सगाई की तस्वीरें हटा दी हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी एक भी तस्वीर नहीं है। द हंस इंडिया के मुताबिक, यह भी कहा जा रहा है कि निवेथा और उनके मंगेतर रजित ने एक-दूसरे को अनफॉलो भी कर दिया है। तस्वीरें भी डिलीट कर दी हैं। हालांकि, अभी यह क्लियर नहीं है कि वाकई दोनों ने तस्वीरें डिलीट की हैं या फिर कोई टेक्निकल ग्लिच है।

पलाश और स्मृति मंधाना की टूटी सगाई से हो रही तुलना?

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि निवेथा के फैंस अब उनकी टूटी सगाई की खबरों की क्रिकेटर स्मृति मंधाना और पलाश मुच्छल की टूटी सगाई और शादी से तुलना कर रहे हैं। स्मृति और पलाश ने भी अपनी सगाई की तस्वीरें डिलीट कर दी थीं और बाद में कन्फर्म किया था कि उनकी शादी टूट गई है। हालांकि, निवेथा ने अभी तक इस मामले पर पूरी तरह चुप्पी साध रखी है और कोई बयान नहीं दिया है। इस बीच, फैंस सोच रहे हैं कि क्या वह जल्द ही फिल्मों में वापसी करेंगी या निजी कारणों से फिर से ब्रेक लेंगी। फिलहाल तो निवेथा के जवाब का इंतजार है।

निवेथा पेथुराज का करियर

निवेथा पेथुराज के करियर की बात करें, तो उन्होंने साल 2016 में तमिल एक्टर वीआर दिनेश स्टारर ओरु नाल कूथु से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने तेलुगू सिनेमा में एंट्री की और जयम रवि से लेकर विजय सेतुपति और प्रभु देवा तक के साथ काम किया।

धुरंधर और किस किसको प्यार करूं 2 में काम करने पर बोलीं आयशा खान

आयशा खान एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में लगातार अपनी जगह बना रही हैं। 2025 उनके लिए काफी अच्छा रहा है। आयशा सबसे पहले बिग बॉस 17 में वाइल्डकार्ड एंट्री के तौर पर सुर्खियों में आई थीं। तब से उन्होंने टेलीविजन, रीजनल सिनेमा, रियलिटी शो और म्यूजिक वीडियो में अपने काम का दायरा बढ़ाया है। धुरंधर और किस किसको प्यार करूं 2 में अपनी हालिया अपीयरेंस के साथ, उन्होंने मेनस्ट्रीम हिंदी सिनेमा में कदम रखा है।

धुरंधर और किस किसको प्यार करूं 2 में नजर आई आयशा

बालवीर रिटर्न्स, तेलुगु फिल्म प्रोजेक्ट्स और टीवी शो दिल को रफू कर ले में अपनी अदाकारी के लिए तारीफ बटोर चुकीं आयशा ने हाल ही में धुरंधर में एक स्पेशल डांस परफॉर्मेंस से सबका ध्यान खींचा है। गाने में आयशा की स्क्रीन प्रेजेंस की भी तारीफ हो रही है। किस किसको प्यार करूं 2 की कास्ट में भी वह शामिल हैं। इसमें उन्होंने कपिल शर्मा के साथ स्क्रीन शेयर की है।

चीजें धीरे-धीरे पूरी हो रही हैं

टीवी से लेकर फिल्मों तक के सफर के बारे में बात करते हुए आयशा कहती हैं पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए बहुत खास रहे हैं। धुरंधर और किस किसको प्यार करूं 2 का हिस्सा बनकर ऐसा लग रहा है जैसे मैंने जिस चीज के लिए मेहनत की थी, वह धीरे-धीरे पूरी हो रही है। इसने इस बात को पक्का कर दिया है कि मुझे सेट पर रहना और अपना काम करना पसंद है।

आयशा ने की आदित्य धर की तारीफ

वह आगे कहती हैं, आदित्य सर के साथ काम करना सीखने का बहुत अच्छा अनुभव था। उनका तरीका मुझे ज्यादा जागरूक और प्रेरित करने वाला लगा। विजय गांगुली सर (मशहूर कोरियोग्राफर) ने मेरे सफर को आरामदायक बनाया और हर कदम पर मुझे गाइड किया। मैं उन सभी की शुक्रगुजार हूं जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया।

किस किसको प्यार करूं 2 से पारुल गुलाटी का बॉलीवुड डेब्यू

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा की फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में कपिल के साथ आयशा खान, पारुल गुलाटी, त्रिधा चौधरी, हीरा वरीना और मनजोत सिंह भी हैं। फिल्म रिलीज होने पर पारुल गुलाटी ने अपनी खुशी जाहिर की।

अभिनेत्री का कहना है कि यह फिल्म उनके लिए खास है। उनकी पहली फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने 15 साल के लंबे सफर की कहानी सुनाई। पारुल ने बताया कि उनकी मां हमेशा हौसला देती थी और कहती थीं कि तेरी किस्मत का कोई नहीं छीन सकता। अगर ऊपर वाले की मेहर होगी, तो तुझे वो भी मिल जाएगा, जो तेरी नहीं है। पारुल ने अपने सफर को याद करते हुए कहा, मैंने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। उसके बाद वेब सीरीज की, पंजाबी फिल्में भी की, लेकिन वो भी ज्यादा नहीं चली। फिर मैंने जाकर बिजनेस शुरू किया। कई बार लगा शायद एक्टिंग मेरे लिए नहीं है, लेकिन इस बीच मुझे कभी एक्टिंग छोड़ने का ख्याल नहीं आया, क्योंकि एक्टिंग मेरे लिए एक शादी की तरह है और बिजनेस मेरा बच्चा है।

अभिनेत्री ने बताया कि जब-जब उन्हें रिजेक्शन मिलते थे, तो उनके मन में सवाल उठता था कि कहीं मेरे में तो कमी नहीं है। लेकिन, मां समझाती थीं, निशु, तुम्हारे लिए इससे बेहतर कुछ लिखा है।

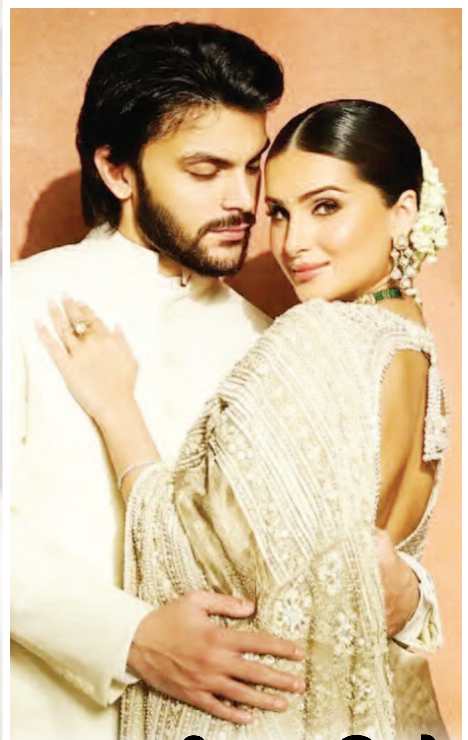

पहली बार रिश्ते पर खुलकर बोले वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया

अभिनेत्री तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया पिछले काफी समय से एक दूसरे के साथ रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर साथ बिताए पलों की झलक और तारा के फैशन इवेंट्स में वीर की मौजूदगी ने पहले ही कयासों को हवा दे दी थी, लेकिन दिवाली पर दोनों के फोटोशूट ने काफी हद तक रिश्ते पर मुहर लगा दी। अब तारा और वीर ने पहली बार किसी इंटरव्यू में खुलकर एक दूसरे के साथ रिलेशनशिप पर खुलकर बात की है।

दोनों ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि उनका रिश्ता पहले दिन से ही ईमानदारी से शुरू हुआ है। वीर के मुताबिक, पहली ही डेट से दोनों ने अपने जज्बातों को छुपाने की कोशिश नहीं की और जहां भी रहे, जैसे थे वैसे ही रहे।

पहली डेट का जिक्र करते हुए वीर ने एक बेहद खास पल साझा किया। उन्होंने बताया कि वो शाम उनके लिए यादगार बन गई जब उन्होंने पियानो बजाया और तारा ने गाना गाया। साथ बिताया गया वह समय उनके लिए रिश्ते की पहली मजबूत नींव साबित हुआ। वहीं तारा का मानना है कि किसी एक पल ने नहीं, बल्कि वक्त के साथ एक-दूसरे का साथ निभाने ने उनके रिश्ते को खास बनाया। उनके शब्दों में, मुश्किल और अच्छे दोनों दौर में साथ खड़े रहना ही उनके कनेक्शन की असली पहचान है।

दोनों का वर्कफ्रंट

काम की बात करें तो वीर इस साल की शुरुआत में फिल्म स्काईफोर्स में नजर आए थे। वहीं तारा पिछले काफी समय से पर्दे से दूर हैं। उनकी आखिरी फिल्म साल 2023 में आई अपूर्वा थी, जो कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई थी।

आदित्य धर बेहद टैलेंटेड, काबिल और दिल के सच्चे नेक इंसान हैं

फिल्म 'धुरंधर' की एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने अपनी फिल्म के डायरेक्टर आदित्य धर के लिए सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ ही सारा ने आदित्य को असली धुरंधर बताया है।

सारा अर्जुन ने इंस्टाग्राम पर आदित्य के साथ अपनी एक फोटो शेयर की और लिखा कि आदित्य ने उनकी पहली बड़ी हिंदी फिल्म में उनका पूरा साथ दिया और उन्हें सबसे अनमोल तोहफा दिया। सारा ने उन्हें सोने जैसा दिल और भरोसा करने का हिम्मती इंसान बताया और कहा कि वे सचमुच धुरंधर हैं। उन्होंने लिखा कि आदित्य बेहद टैलेंटेड हैं, लेकिन घमंड बिल्कुल नहीं करते और बहुत काबिल हैं और दिल के सच्चे और नेक इंसान हैं। सारा ने बताया कि आदित्य ने सेट पर इतना प्यारा और सुरक्षित माहौल बनाया कि वे बेझिझक बड़े-बड़े सपने देख सकीं। उन्होंने कभी आवाज नहीं चढ़ाई, हमेशा शांत रहकर सबको जोड़े रखा। सारा ने लिखा, आप तूफान से पहले की खामोशी नहीं, आप वो खामोशी हैं जिसने तूफान पैदा किया।

खुद को लकी मानती हैं सारा

सारा ने यह भी बताया कि आदित्य ने उन्हें कभी छोटा महसूस नहीं होने दिया। हमेशा ऐसा लगा जैसे वे पूरी तरह सक्षम हैं। उन्होंने सारा को अपनी महत्वाकांक्षाओं को बड़ा करने और अपनी अंतरात्मा पर भरोसा करने की हिम्मत दी। सारा ने लिखा कि वे खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इतने अच्छे इंसान का साथ और मार्गदर्शन मिला। यह पहली फिल्म उनके लिए सिर्फ यादगार नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला अनुभव बन गई।

आदित्य धर का जवाब

सारा की पोस्ट पर आदित्य धर ने जवाब देते हुए लिखा, वाह सारा, तुम्हारा यह मैसेज पढ़कर मैं बहुत इमोशनल हो गया। मुझ पर आंख बंद करके भरोसा करने और धुरंधर को अपना सबकुछ देने के लिए शुक्रिया। पार्ट-2 में दुनिया तुम्हारी असली प्रतिभा देखेगी, इसका बेसब्री से इंतजार है। तुममें इस इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक बनने की पूरी काबिलियत है।

...तो मैं आज इस मुकाम पर नहीं पहुंच पाती

प्रियंका चोपड़ा ने अपने करियर के शुरुआत वाला दौर याद किया। प्रियंका अब कपिल शर्मा शो में नजर आनेवाली हैं। उन्होंने हाल ही में एक समिट में अपी कहानी सुनाते हुए कहा- लोगों को लगा कि मेरा समय खराब चल रहा है। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं था कि मुझे अवसर दिए गए बल्कि अवसर मुझसे छीन लिए गए। इसलिए मुझे अपना रास्ता बदलना पड़ा। एक साल ऐसा भी था जब मेरी छह फिल्में लगातार फ्लॉप हो गईं।

प्रियंका चोपड़ा बैक टु बैक फ्लॉप

प्रियंका चोपड़ा ने साउथ और बॉलीवुड फिल्मों से अपनी शुरुआत की लेकिन आज वो हॉलीवुड की दुनिया में बड़ा नाम हैं। प्रियंका चोपड़ा जल्द ही कपिल शर्मा के शो पर नजर आनेवाली हैं। इस शो पर वो एसएस राजामौली की फिल्म वाराणसी का प्रमोशन करेगी, जिसके लिए वो मुंबई लौटी हैं। इस बीच हाल ही में उन्होंने अबू धाबी में आयोजित ब्रिज समिट में भाग लिया, जहां उन्होंने बताया कि अपने करियर के शुरुआती दौर में लगातार फ्लॉप फिल्में देने के बाद कैसे उनसे मौके छीन लिए गए।

जब मेरी लगातार छह फिल्में फ्लॉप हो गईं

प्रियंका ने कहा कि जब उन्होंने 25 साल पहले फिल्मों में काम करना शुरू किया था, तब उनको गाइड करने वाला कोई नहीं था। उन्होंने कहा, जब मैंने मुंबई में कदम रखा तो मेरी राह आसान नहीं थी। मुझे यहां टिके रहने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी, लेकिन मेरा स्वभाव ऐसा है कि मैं जो भी काम अपने हाथों में लेती हूं, उसमें अपना 100 प्रतिशत देती हूं, वरना मैं उसे कभी पूरा नहीं कर पाऊंगी। एक समय ऐसा भी आया, जब मेरी लगातार छह फिल्में फ्लॉप हो गईं और मुझे एहसास हुआ कि मुझे कुछ अलग करना होगा।

लोगों को लगा कि मेरा समय खराब चल रहा है

प्रियंका ने कहा, इसके बाद मुझे फिल्म फैशन में काम करने का ऑफर मिला, जिसमें दो लीड हीरोइनें थीं। लोगों को लगा कि मेरा समय खराब चल रहा है, तभी मैं एक वुमन बेस्ड फिल्म कर रही हूं, लेकिन बाकी सब इतिहास बन गया क्योंकि मैंने उसमें अपना बेस्ट दिया। इसी तरह, जब मैंने हॉलीवुड के बारे में सोचा तो मैंने अपना बेस्ट दिया। 'मिस वर्ल्ड' रह चुकीं प्रियंका ने कहा कि ऐसा नहीं है कि अवसर खुद-बखुद चलकर उनके दरवाजे पर आए, बल्कि कई मौकों पर अच्छे अवसर उनसे छीन लिए गए। प्रियंका ने कहा, मुझे खुद के लिए मौके बनाने पड़े। मुझे लीक से हटकर फिल्में और रोल हासिल करने के लिए लगातार स्ट्रगल करना पड़ा। फिल्म इंडस्ट्री में शायद हर महिला की यही कहानी है। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं था कि मुझे अवसर दिए गए बल्कि अवसर मुझसे छीन लिए गए। इसलिए मुझे अपना रास्ता बदलना पड़ा। एक वक्त ऐसा भी था जब मेरी छह फिल्में लगातार फ्लॉप हो गईं। तब ऐसा लग रहा था जैसे- हे भगवान, हमें प्रियंका को फिल्म में नहीं लेना चाहिए क्योंकि फिल्म अच्छा परफॉर्म नहीं करेगी। इसलिए, खोने के डर से, मुझे अपने कम्फर्टवाले काम को छोड़कर कुछ नया करने की कोशिश करनी पड़ी। मुझे अवसर खुद बनाने पड़े। मेरे ये बदलाव कभी मेरी पसंद से नहीं थे बल्कि ये अस्तित्व के लिए बहुत ज़रूरी थे।

प्रियंका कहती हैं, मैंने करियर के लिए बहुत त्याग किया, परिवार के साथ समय बिताने और त्योहार मनाने का मौका गंवाया। लेकिन हर चीज का एक समय होता है। उस समय मुझे काम पर ध्यान देने और त्याग करने की जरूरत थी। अगर मैंने ऐसा नहीं किया होता तो मैं आज इस मुकाम पर नहीं पहुंच पाती, जहां मैं फिल्में ठुकराने का फैसला ले सकती हूं। मैं इसका श्रेय शुरुआती दौर में की गई कड़ी मेहनत और त्याग को देती हूं।

बॉर्न हंग्री जैसी और खूबसूरत कहानियों पर काम करना चाहती हैं

प्रियंका ने आगे कहा कि वे ऐसे प्रोजेक्ट्स में काम करना चाहती हैं जिनके किरदार या फिल्म संस्कृति से जुड़े हों और लोगों को उनसे प्रेरणा मिले। अपनी खुद की फिल्म प्रोडक्शन कंपनी पर्पल पेबल पिक्चर्स पर बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि वे बॉर्न हंग्री जैसी और खूबसूरत कहानियों पर काम करना चाहती हैं। एक्ट्रेस निर्देशक बैरी एवरिच के साथ मिलकर और प्रोजेक्ट्स भी करना चाहती हैं। वे उनके काम करने के तरीके से बहुत प्रभावित हैं। बता दें कि बॉर्न हंग्री डॉक्यूमेंट्री एक्ट्रेस के पर्पल पेबल पिक्चर्स के बैनर तले बनी है। डॉक्यूमेंट्री बीते साल 2024 में रिलीज हुई थी और डॉक्यूमेंट्री को ग्लोबल लेवल पर अच्छा रिस्पांस मिला था।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।